सांध्य दैनिक
श्रीकंचनपथ
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 352 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 05 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के उपायुक्त प्रज्ञान सेठ निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के उपायुक्त प्रज्ञान सेठ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके द्वारा प्रदेश के प्रयास आवासीय विद्यालयों के अध्यापन के लिए चयनित कोचिंग संस्थाओं की प्रक्रिया को पूर्ण नहीं करने और विभागीय योजनाओं के पर्यवेक्षण में लापरवाही के आरोपों के चलते की गई है। छात्रों और अभिभावकों द्वारा कोचिंग संस्थानों की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें मिल रही थीं। प्राथमिक जांच में श्री सेठ को दोषी पाया गया है, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का उल्लंघन करता है। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय संभागीय आयुक्त कार्यालय, बस्तर संभाग, जगदलपुर निर्धारित किया गया है, और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा।

हादसे के बाद कार में लगी भीषण आग, जल गया वाहन, बाल बाल बचा चालक

कोरबा। दर्री थाना अंतर्गत एनटीपीसी कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे में कार में भीषण आगजनी से हड़कप मच गया। वाहन चालक वाहन में ही फंस गया। वहीं वाहन धू-धूकर जलने लगा। देर रात पुलिस की पेट्रोलिंग टीम की नजर पड़ने पर कार के चालक को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकल गया। वहीं, देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। जिसके बाद दमकल विभाग की टीम को आग लगने की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। रात लगभग 12 बजे तेएनटीपीसी के विभागीय कॉलोनी में एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। हादसे के बाद वाहन में देखते ही देखते आग लग गई।

छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा एनकाउंटर

मुठभेड़ में ढेर हुए 31 नक्सली, सीएम साय ने कहा- नक्सलवाद के खात्मे तक जारी रहेगी लड़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज़

दंतेवाड़ा/नारायणपुर। शुक्रवार को सुरक्षाबलों व पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में अब तक का सबसे बड़ा एनकाउंटर हुआ है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गये है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर बड़ी संख्या में नक्सलियों की उपस्थिति है। इसके बाद सुरक्षाबल के जवानों को रवाना किया गया था। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को मार गिराया और भारी संख्या में ऑटोमेटिक हथियार बरामद किए गए हैं। साथ ही सुरक्षाबलों ने 31 नक्सलियों के शव भी बरामद कर लिए हैं। सुरक्षाबलों की सफलता के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खात्मे तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को पुलिस को इनपुट मिला था कि दंतेवाड़ा नारायणपुर सीमा पर भारी तादात में नक्सली मौजूद हैं और किसी बड़ी घटना की रूपरेखा बन रही है। इसके बाद पुलिस व सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी को रवाना किया गया। ओरछा थाना इलाके के नेंदुर और थुलथुली गांव के बीच जंगल में जैसे ही जवान पहुंचे तो नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला। लगभग दो घंटे तक यहां लगातार फायरिंग होती रही। इसके बाद रुक रुक कर गोलीबारी हो रही थी। जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली बैकफुट पर चले गए। गोली बारी रुकने के बाद जवानों ने सर्चिंग शुरू की। 31 नक्सलियों के शव जवानों ने बरामद किया है। वहीं बताया जा रहा है कि और भी शव बरामद हो सकते हैं।

बस्तर आईजी बोले- अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़

बस्तर संभाग के आईजी पी. सुंदरराज ने बताया कि यह मुठभेड़ अब तक की सबसे बड़ी है। इसमें 34 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। 31 नक्सलियों के शव बरामद भी कर लिए गए हैं। मुठभेड़ दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर हुई। ओरछा थाना इलाके के नेंदुर और थुलथुली गांव के बीच जंगल में 2 घंटे फायरिंग हुई। फायरिंग रुकने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जवानों ने नक्सलियों के शव के साथ,ऋ-47, एसएलआर जैसे हथियार बरामद किए हैं। वहीं सुरक्षाबलों के सभी जवान सुरक्षित हैं।

कई इनामी नक्सलियों के मारे जाने की खबर

इस मुठभेड़ में कई इनामी नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है। दूसरी ओर नक्सलियों की कंपनी नंबर 6 को भी पुलिस ने ध्वस्त कर दिया है। महिला नक्सली कमांडर नीती के भी इस मुठभेड़ में मारे जाने की खबर है। ये ष्ठङ्कष्टरू कैडर की थी जिस पर करीब 8 से 10 लाख रुपए का इनाम था। वह नक्सलियों की पूर्वी बस्तर डिवीजन में सक्रिय थी। इसके साथ ही एक ष्ठ्वर्स्ष्ट कैडर का नक्सली भी मारा गया है। करीब 6 महीने पहले कांकेर में 29 नक्सली मारे गए थे। वहीं इस साल अब तक 188 माओवादियों को मार गिराया गया है।

मुख्यमंत्री ने एंटी नक्सल ऑपरेशन पर देर रात ली उच्च-स्तरीय बैठक, जवानों के साहस को सराहा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार देर रात यहां अपने निवास कार्यालय में नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और माओवादी आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ की घटना को लेकर उच्च-स्तरीय बैठक ली। बैठक में पुलिस महानिदेशक और मुख्यमंत्री सचिवालय के वरीष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी ली और माओवादी आतंकियों के विरुद्ध सफल ऑपेरशन पर सुरक्षाबलों के शौर्य तथा अदम्य साहस की सराहना करते हुए बड़ी कामयाबी के लिए उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान सुरक्षाबलों के जवानों का कुशल-क्षेम भी पूछा। उन्होंने पुलिस महानिदेशक को निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ में माओवादी आतंकवाद के खिलाफकार्रवाई में कोई ढिलाई ना बरती जाए। साथ ही नक्सलवाद के खिलाफलड़ाई में जवानों के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था में कमी ना हो।

एक माह पहले भी हुई थी मुठभेड़, इस साल अब तक 171 नक्सली ढेर

बता दें एक माह पहले 29 अगस्त को नारायणपुर और कांकेर बॉर्डर पर अबूझमाड़ इलाके में मुठभेड़ हुई थी। इसमें 3 वर्दीधारी महिला नक्सलियों को ढेर किया गया था। इनकी शिनाख्त उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी और PLGA कम्पनी नंबर 05 के सदस्य के रूप में हुई। आकड़ों के अनुसार 2024 में अब तक 171 से ज्यादा नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। वहीं बस्तर संभाग में मानसून सीजन में 212 से ज्यादा नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 201 नक्सलियों ने सरेंडर भी किया है।

गंगरेल में जल जगार की धूम

जल ओलंपिक से हुई जल जगार की शुरूआत, विभिन्न प्रकार की जल गतिविधियों ने मोह लिया मन

आज शाम पहुचेंगे मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज शाम को धमतरी पहुचेंगे। दौरा कार्यक्रम के मुताबिक, मुख्यमंत्री शाम 5 बजे पुलिस लाइन रूद्री धमतरी स्थित हेलीपेड में पहुचेंगे। यहां से कार द्वारा मां अंगारमोती मंदिर जाएंगे। वहां से शाम 6 बजे बरदिहा लेक व्यू रिसार्ट धमतरी के लिए रवाना होंगे। यहां पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री श्री साय जल जगार महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री रात्रि 8 बजे तक यहां कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और उसके बाद रायपुर के लिए रवाना होंगे।

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। धमतरी के पंडित रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में प्रदेश के सबसे बड़े जल महोत्सव जल जगार का शुभारंभ हो गया है। बांध के तट पर स्थित बरदिहा लेक रिजॉर्ट में शनिवार सुबह कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी की मौजूदगी में आजीविका महाविद्यालय धमतरी के टूरिस्ट गार्ड सदस्य माधव सिंह ने वाटर बैलेंसिंग स्पोर्ट्स में भाग लेकर जल ओलंपिक की शुरुआत की। उन्होंने गंगरेल के पानी में बनाए गए बैलेंसिंग स्ट्रक्चर पर लहरों की बीच चलकर दोनों हाथों से समन्वय बनाने का प्रयास किया।

इसके बाद थ्रो रो इवेंट में नरहरा जलप्रपात जल प्रबंधन समिति की टूरिस्ट गाइड महिलाओं ने पानी में रस्सा फेंक प्रतियोगिता में लिया भाग। समिति की 3 सदस्य श्रीमती सजवन, श्रीमती गणेश्वरी एवं श्रीमती टिकेश्वरी ने उत्साह के साथ नई प्रकार की गतिविधि में शामिल हुई। जल संरक्षण की दिशा में काम कर रही समिति के सदस्यों ने बताया कि सरकार द्वारा विशेष प्रयास के तहत लोगों को जल जागरुकता की दिशा में आगे बढ़ाने जल जगार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जो कि पानी के महत्व को बताने एवं संरक्षण की दिशा में अहम प्रयास है। इस कार्यक्रम में जल से संबंधित कयाकिंग, स्वीमिंग, बनाना राइड, फ्री स्टाइल स्वीमिंग, फ्लैग रैन, थ्रो रो, रिवर क्रॉसिंग जैसी प्रतियोगिता आयोजित किए जा रहे है। जिसका आनंद दर्शकगण पूरे परिवार के साथ उठा रहे है। जल जगार महोत्सव के लिए गंगरेल बांध में लाइफजैकेट, मेडिकल किट सहित सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किए गए है। कार्यक्रम स्थल को जल जागरुकता से युक्त स्लोगन, कविता आदि से युक्त बैनर पोस्टरों से सजाया गया है। प्रतियोगिता के आयोजन से गंगरेल बांध का तट आकर्षक एवं मनोरम हो गया है। विशाल जलसंग्रह में विभिन्न प्रकार के जेटस्की, बनाना राइड बोट, कयाकिंग नाव आदि की व्यवस्था की गई है। जिसमे प्रतिभागी उत्साह के साथ भाग ले रहे है।

गौरतलब है कि जिले में बीते 3 वर्षो में जल एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु किए गए कार्यों की सफलता और जल एवं पर्यावरण का संदेश लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से देशव्यापी जल जगार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को और भी अधिक खास बनाता है, यहां होने वाली एक से बढ़कर एक रोमांचक गतिविधियां। इसके तहत जल ओलंपिक, कार्निवाल, नवरात्रि मेला, रूद्राभिषेक, जल सभा, ड्रोन शो, गंगरेल ट्रेल रन, अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन आदि आयोजन होने हैं। आज सुबह से ही जल जगार महोत्सव के तहत पहला आयोजन जल ओलंपिक का ही रहा। इसके तहत प्रात: 7 बजे से कयाके, स्वीमिंग, बनाना राइड, फ्री स्टाइल स्वीमिंग, फ्लैग रैन जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। आज सुबह से ही लोगों का आना प्रारम्भ हो गया था।

मादरी नृत्य ने मोह लिया मन

जल जगार महोत्सव में दर्शकों के मनोरंजन एवं स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने हेतु कार्निवल का आयोजन किया गया है। इसके तहत आज नगरी के ग्राम सराईटोला के आदिवासी नर्तक दल जय गढ़िया आदिवासी लोकनृत्य सेवा समिति दल ने अपने पारंपरिक मादरी नृत्य से सबका मन मोह लिया। कार्निवल में विभिन्न स्कूल के बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पर्यावरण को बचाने, जल संरक्षण, पौधरोपण, देशभक्ति समेत अन्य परिधान धारण कर संदेश दिया। कार्निवल के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्यायाम प्रदर्शन, रंगोली, कुर्सी दौड़, नुक्कड़ नाटक और पंथी नृत्य जैसे कार्यक्रम भी होने है। जल जगार महोत्सव में लगी प्रदर्शन का अवलोकन भी स्कूली बच्चों समेत अन्य लोगों ने किया। खादी ग्रामोद्योग के स्टॉल में हैंडलूम से कमार जनजाति की महिलाओं को सूत कातते हुए देखकर बच्चे चकित हो गए।

संपादकीय

आरक्षण की सियासत

अपने देश में आरक्षण पर ऐसी दुखद सियासत होने लगी है, जिसका तथ्य और तर्क से कोई लेना-देना नहीं है। मुंबई में राज्य सचिवालय में शुक्रवार को उस समय अजीब दृश्य सामने आया, जब विधानसभा के उप-सभापति नरहरि झिरवाल और तीन अन्य विधायक तीसरी मंजिल से कूद गए। यह तो भला हो कि नीचे पहले से ही जाल लगाकर सुरक्षा इंतजाम किया गया था। सुरक्षा इंतजाम न होता, तो आत्महत्या की यह कोशिश भारतीय विधायिका पर एक स्याह धब्बा लगा जाती। अगर एक विधायक को अपनी मांग मनवाने के लिए आत्महत्या करने की नौबत आ जाए, तो फिर विधायिका की समग्र व्यवस्था की मजबूती के बारे में क्या कहा जाए? हालांकि, यह सियासत है और विधायक कूदे, क्योंकि उन्हें पता था कि नीचे जाल है। वास्तव में, आत्महत्या की कोशिश का यह दिखावा कोरी सियासत है, उसके अलावा कुछ नहीं। विधायकों के इस कृत्य की सिर्फनिंदा हो सकती है। यह विधायिका को भी शर्मसार करने वाला पल है और इस पर सभी दलों को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि आखिर वे देश के सामने कैसी जानलेवा सियासत पेश कर रहे हैं? आत्महत्या का बहाना तो और भी दुखद है। यह सियासी कोशिश वास्तव में आरक्षण मांगने के लिए नहीं है, बल्कि एक जाति विशेष को मिलने जा रहे आरक्षण के विरोध में है। धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध विचारणीय हो सकता है, पर उसके लिए ठोस तर्क या विमर्श की जरूरत है। इन विधायकों को जब लगा कि उनका विरोध काम नहीं कर रहा है और धनगर समुदाय को एसटी में शामिल कर लिया जाएगा, तब उन्होंने कूदने का दुस्साहस दिखाया। अब यह सोचने की बात है कि धनगर समुदाय के नेताओं और लोगों को कैसा लग रहा होगा? झिरवाल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजीत पवार गुट के सदस्य हैं। वास्तव में, यह पूरी पार्टी इन दिनों बहुत बेचैन है। सियासी लाभ और चुनाव जीतने के लिए इसके नेता हरसंभव दांव आजमा रहे हैं। उनका यह नया दांव पता नहीं कितना कारगर होगा, पर इससे सत्ता पक्ष और एकनाथ शिंदे की सरकार की किरकिरी तो हो ही रही है। सरकार में भाजपा भी शामिल है और कूदने वालों में एक भाजपा विधायक भी शामिल बताए जाते हैं। वास्तव में, यह सत्ताधारी विधायकों की बेचैनी है। उन्हें इसी महीने चुनावी मैदान में जाना है। जहां आरक्षण मांगने वालों और आरक्षण का विरोध करने वालों, दोनों के भाग्य का फैसला होगा। वैसे सियासत से अलग आरक्षण का सवाल वाकई अपने देश में बहुत गंभीर होता जा रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी को आरक्षण देने या किसी खास श्रेणी में आरक्षण देने का विरोध हो रहा है। राजस्थान में जब गुर्जरों ने अनुसूचित जनजाति में आने के लिए साल 2007 में रेल रोको आंदोलन किया था, तब भी एक दबंग अनुसूचित जनजाति के नेताओं ने विरोध किया था। उस त्रासद आंदोलन में 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, नतीजा क्या हुआ, आज भी गुर्जरों को कमोबेश ओबीसी वाला ही लाभ मिल रहा है। गुर्जरों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले किरोड़ी सिंह बैंसला का निधन हो चुका है, पर गुर्जरों की मांग अभी भी जिंदा है। ऐसी अनेक जातियां हैं, जो अपने आरक्षण में बदलाव चाहती हैं, तो क्या तमाम पार्टियां मिलकर आरक्षण के मसले को हमेशा के लिए सुलझाएंगी?

"गुर्जरों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले किरोड़ी सिंह बैंसला का निधन हो चुका है, पर गुर्जरों की मांग अभी भी जिंदा है। ऐसी अनेक जातियां हैं, जो अपने आरक्षण में बदलाव चाहती हैं, तो क्या तमाम पार्टियां मिलकर आरक्षण के मसले को हमेशा के लिए सुलझाएंगी?

नजरिया

पश्चिम एशिया में बदले की बेरहम बयार

सच यह भी है कि दुनिया की महाशक्तियां महायुद्ध नहीं चाहतीं। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में उलझा हुआ है और रूस फिलहाल यूक्रेन मोर्चा पर ही सिमटे रहना चाहता है। रही बात चीन की, तो वह अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में लगा है। अरब देशों, विशेषकर खाड़ी के मुल्कों की तरफसे भी कोई आक्रामक बयान नहीं आया है और लगता यही है कि वे भी जंग के पक्ष में नहीं हैं।

विवेक काटजू, पूर्व राजनयिक

मंगलवार की देर शाम ईरान का इजरायल पर मिसाइल हमला करना कई आशंकाओं को आधार दे रहा है। इजरायल ने बेशक ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को अपने मित्र देशों की मदद से हवा में ही नष्ट कर दिया, जिसके कारण उसे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन उसमें दहशत तो फैली ही। यही कारण है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तत्काल इस हमले का बदला लेने का एलान कर दिया। ईरान का कहना है कि उसने यह कदम हमास नेता इस्माइल हानिये और हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए उठाया है और अब अगर इजरायल की तरफसे कोई सैन्य कार्रवाई होती है, तो जंग भड़केगी।

यहां दो घटनाओं का जिक्र आवश्यक है। पहली, अप्रैल, 2024 में ईरान ने ड्रोन व मिसाइलों द्वारा इजरायल पर हमला बोला था और उस वक्त भी उसे नुकसान ज्यादा नहीं हुआ, क्योंकि इजरायल ने उनको मार गिराया था। ईरान का कहना था, यह हमला उसने सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले के बदले में किया था, जिसमें 15 से अधिक ईरानी कर्मचारियों की मौत हुई थी। दूसरी घटना, जनवरी 2020 की है, जब अमेरिका ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या कर दी थी। जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने मिसाइलों के जरिये इराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला बोला था, जिसके बाद मामला शांत हो गया था। तब बेशक तनाव के बादल छंट गए थे, लेकिन इस वक्त क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय तस्वीर बदली हुई है।

एक बड़ा बदलाव तो यही है कि इजरायली प्रधानमंत्री अब आक्रामक नीति अपना रहे हैं। इसकी वजह यही है कि उन पर पिछले कई महीनों से घरेलू राजनीति का दबाव तो है ही, गाजापट्टी पर हमले के बाद, जिसमें 40 हजार से अधिक फ्लस्तीनी मारे जा चुके हैं, उन पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी काफी अधिक बढ़ गया है। उन्होंने घोषणा की है कि ईरान के दोनों छद्म गुट- हमास और हिजबुल्लाह का सफाया होकर ही रहेगा। हिजबुल्लाह के खिलाफ तो कई हफ्तों से इजरायल का आक्रमण जारी है। पहले पेजर-वॉकीटॉकी विस्फोट से इजरायली खुफिया एजेंसियों ने हिजबुल्लाह के संचार तंत्र को ध्वस्त किया और फिर नसरल्लाह के साथ-साथ कई हिजबुल्लाह नेताओं को मौत के घाट उतार दिया। लगता यही है कि नेतन्याहू की महत्वाकांक्षा अब हमास या हिजबुल्लाह तक ही सीमित नहीं रह गई है। 1 अक्तूबर के अपने टीवी संदेश में उन्होंने ईरान की जनता को उनके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ उकसाया और अपील की कि वे अयातुल्ला सरकार को पलटकर एक नई सरकार बनाएं और आधुनिक ईरान की बुनियाद रखें। उल्लेखनीय है कि ईरान में एक तबका है, जो अयातुल्ला सरकार से संतुष्ट नहीं है और ईरान का आधुनिकीकरण चाहता है। हालांकि, ऐसा कोई सुबूत भी नहीं है कि ईरान किसी क्रांति के लिए तैयार है।

बहरहाल, सवाल यही है कि अब आगे क्या होगा? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस पर चिंतन करेगी ही और यह अनुमान स्वाभाविक है कि वह इजरायल और ईरान, दोनों से शांति की अपील करेगी। सच यह भी है कि दुनिया की महाशक्तियां महायुद्ध नहीं चाहतीं। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में उलझा हुआ है और रूस फिलहाल यूक्रेन मोर्चा पर ही सिमटे रहना चाहता है। रही बात चीन की, तो वह अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में लगा है। अरब देशों, विशेषकर खाड़ी के मुल्कों की तरफ से भी कोई आक्रामक बयान नहीं आया है और लगता यही है कि वे भी जंग के पक्ष में नहीं हैं। भारत भी शांति ही चाहता है और चंद दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतन्याहू से बात करके यही संदेश दिया था कि बातचीत की मेज पर समस्याओं का हल निकालना चाहिए। यानी, अब फैसला नेतन्याहू को लेना है। हमें यह भी देखना होगा कि उन पर घरेलू राजनीति का दबाव कितना बढ़ता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

प्रहलाद सबनानी, (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक)

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोधन कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी। विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्द 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अधिक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे।

इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्षिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है। ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा।

विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024-25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025-26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है। इसी प्रकार, मुद्रा स्फीति में भी धीरे धीरे कमी आने के संकेत मिल रहे हैं एवं यह वैश्विक स्तर पर औसतन 3.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है एवं उनके व्यय करने की क्षमता को भी हत्तोत्साहित करती है। कई देशों को मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ता है। उच्च ब्याज दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित तो करती हैं परंतु आर्थिक प्रगति को धीमा भी कर देती है जिससे रोजगार के अवसरों में कमी भी दृष्टिगोचर होती है। उक्त वर्णित वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 के अनुसार दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों के योगदान से वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अतुलनीय आर्थिक विकास दर हासिल की है, यह आर्थिक विकास दर देश में मानसून व्यवधानों के कारण कृषि क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि में आई कमी के बावजूद हासिल की गई है। साथ ही, भारत में व्यापक कर आधार से राजस्व में वृद्धि के चलते सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजकोषीय घाटे में कमी हासिल की जा सकी है। विशेष रूप से भारत में व्यापार घाटा भी कम होता दिखाई दे रहा है, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिरता लाने में योगदान मिला है। जलवायु परिवर्तन के कारण भी विश्व के कई देशों में बाढ़, सूखा एवं तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता और प्रबलता बढ़ती दिखाई दे रही है। इस तरह की आपदाएं बुनियादी ढांचे, निवास स्थानों एवं व्यवसाओं को व्यापक क्षति पहुंचा रही हैं। साथ ही, यह कृषि उत्पादन को भी बाधित कर रही है, जिससे खाद्यान के उत्पादन में कमी एवं इनकी कीमतों में वृद्धि होती दिखाई दे रही है। इससे सरकारी वित्त व्यवस्था पर भी अतिरिक्त भार पड़ रहा है। विश्व बैंक की आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में तार्किक आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है।

(ये लेखक के विचार हैं)

प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी

शंकर शरण

हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं। विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। इसलिए क्योंकि भारत के नेता ही किसी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। और हमें गप्पी गाय' की उपाधि चीनी नेता माओ ने दी थी। पड़ोसी होने के नाते विविध प्रसंगों, अनुभवों पर ही उन्होंने अपनी राय बनाई होगी। माओ के अनोखे मुहावरों का प्राय: कोई स्पष्टीकरण नहीं मिलता। उन का आशय अनुमान से ही समझना होगा।

वैसे, मुहावरे के दोनों शब्द सरल हैं। उन्हें मिलाकर अर्थ कुछ यही बनता है कि हम लोग बातें बनाने वाले, परन्तु दरअसल निरीह, नासमझ, और निकम्मे हैं। हमारे नेताओं की बातों और काम में कुछ भी प्रमाणिक (ऑथेन्टिक), गंभीर (सिन्सियर), या निस्वार्थ (डिसइन्टेरेस्टेड) नहीं रहा है, यह हमारे भी एक विद्वान ने 1952 में ही पाया था जिन की दृष्टि विशाल और पैनी थी। सो, यह दुखद चरित्र स्वतंत्र भारत में आरंभ से बना, जो ब्रिटिश-राज के ठीक विपरीत था! ब्रिटिश शासक और अफसर यहाँ अपनी नीति, कानून और प्रशासन में कभी भी दिखावटी, भीरू या भ्रष्ट नहीं रहे थे। यह सभी भारतीय भी मानते थे। जबकि हमारे नेताओं की बातें प्राय: ऊपरी, कर्महीन, तथा उपदेशात्मक रही हैं। जिन का वास्तविक सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हालातों से कम ही लेना-देना रहा। फलस्वरूप किसी मामले पर सही उपाय ढूँढ कर लगने, जरूरी कदम लेकर खतरे उठाने से भी उन का संबंध नहीं रहता।

अप्रत्याशित या प्रत्याशित विकट घटनाओं पर भी लीपापोती करने, या शुतुरमुर्ग-सा सिर छिपा समय गुजारने की प्रवृत्ति उन में रही है। अर्थात, अपवाद छोड़ हमारे नेताओं में नीति-निर्माण और शासन की समझ तक नहीं रही है। इसी को माओ और आइजनहावर जैसे विदेशी नेताओं ने हैरत से देखा था! पहले गाँधीजी हिटलर को उपदेश लिखते थे, तो बाद में नेहरू अमेरिका को उसी के देश में लेक्चर पिलाते थे। कोई अपने धज-प्रवचनों से दूसरा जीसस' होने, तो कोई बस कबूतर उड़ा कर विश्व-शांति का मसीहा' होने का गुमान रखते थे। जबकि अपने देश-समाज की भी असलियत देखने की सूझ उन्हें न थी! अत: उन के गप्पी गाय' होने की उपमा ठोस अनुभव, अवलोकन पर बनी थी। क्या आज भी वह गलत लगता है? हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं।

विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। वही अनुकरण नीचे तक अनुयायी करते हैं। सोशल मीडिया में भी इस के अंतहीन उदाहरण रोज दिखते हैं ङ्क परनिन्दा, शेखी, और हर विषय पर इन्स्टैंट ज्ञान। यह सब हम ने कहाँ से सीखा? अपने नेताओं से। वे ही संपूर्ण वाद-विवाद, तैश-तुर्शी को निर्देशित करते हैं। भारत में राष्ट्रीय विमर्श सदैव नेताओं द्वारा प्रवर्तित व नियंत्रित रहा है। समाजवाद, सेक्यूलरवाद से लेकर जातिगणना, और कण-कण में छीन-झपट के आरक्षण की सारी बातें व गतिविधियाँ सदैव ऊपर से चली हैं। विवेकशील, कर्मठ और न्यायपरक अधिकारियों का स्थान अंग्रेजी राज के साथ ही जाता रहा था। चाटुकार, अवसरवादी और भ्रष्टाचारी लगभग फौरन छा गये थे। अत: स्वतंत्र भारत का इतिहास माओ के अवलोकन की पुष्टि ही करता है। गाँधीजी के खलीफत भाषणों, एक वर्ष में स्वराज ले लेंगे' से लेकर, मैंने सेना को कह दिया है कि चीनियों को सीमा से बाहर फेंक दें', और आज के अच्छे दिन आ गये' जैसे दावों में समान तत्व क्या है?

बड़बोलापन; गंभीर मामलों पर भी नासमझी का प्रदर्शन; समस्या को ठीक-ठीक जानने से भी बेपरवाह बस मन की तरंग से आसान हल देने की नीम-हकीमी; ठोकर खाकर भी अनुभव से कुछ न सीखना; अपनी करनी के कुपरिणाम की जिम्मेदारी न लेना; सच्ची समीक्षा न करना न करने देना; नेतृत्व में अपनी ताउम्र अपरिहार्यता मान कर चलना; देश-विदेश के दबंग शत्रुओं से नजर बचाना; उन पर बोलने से भी कतराना; तथा, इन तमाम आदतों से हो रही राष्ट्रीय हानियों पर पर्दा डालना। यदि उक्त आकलन सही हो, तो हम ने अपने को गप्पी गाय' से भिन्न क्या दिखाया? अभी देश में एक संगठन अपने को दुनिया का सब से बड़ा बताता है। कभी राष्ट्रवादी, तो कभी हिन्दूवादी बनता है। उन के नेता कहते हैं हमारा संगठन तीन दिन में ऐसी सेना तैयार कर सकता है जो युद्ध लड़ सके। लेकिन कश्मीर से लेकर केरल, कर्नाटक, बंगाल और दिल्ली, जम्मू तक, जब भी निरीह हिन्दू सामूहिक या अलग-अलग पीड़ित, अपमानित होकर मारे भी जाएं तो इन का एक सुसंगत बयान भी नहीं आता। मौके पर पहुँच कर लड़ना, जुटना तो दूर रहा! तब उन के लोग बेधड़क कहते हैं कि हमारा काम लडना नहीं, लड़ने के लिए कहना' है। जबकि उन की अपनी राजनीतिक पार्टी भी है, जो दशकों से यहाँ वहाँ सत्ताधारी भी है। शेखी बघारने में वे सब को मात देते हैं, पर हर विकट प्रसंग में मुँह सी लेते हैं। इस से अधिक प्रतिनिधि गप्पी गाय' का उदाहरण क्या हो सकता है!

निस्संदेह, सभी लोकतंत्रों में नेतागण लफ्फाजी करते हैं। अपने शब्दजाल से लोगों को लुभाकर वोट लेना, फिर सत्ता पाकर पदों, संसाधनों की बंदर-बाँट उन का प्रधान काम है। लेकिन अमेरिकी, यूरोपीय लोकतंत्रों में नेताओं ने लफ्फाजी करने में राष्ट्रीय हित के गंभीर विषयों की एक सीमा रखी है। उन के नेता कुछ गंभीर बिन्दुओं पर एक सर्वदलीय सहमति रखते हैं, ताकि उन की प्रतिद्वंद्विता में समाज की क्षति न हो। उस की तुलना में, भारतीय नेताओं की लफ्फाजियाँ निस्सीम रही हैं। वे अपनी झक में दर्शन, नैतिकता, धर्म और इतिहास भी विकृत करते रहते हैं। तब चालू नियम-कानून और सामाजिक हित तो छोटी चीजें हैं।

यह स्वतंत्र भारत में एक स्थाई दृश्य है। आज तो यदि किसी मुद्दे पर किसी ने कोई सत्याभासी बयान भी दे दिया, तो कुछ लोग उत्साह या आक्रोश से बावले होने लगते हैं। चाहे वह बयान आधा-अधूरा, अनावश्यक या दोषपूर्ण ही क्यों न हो! विशेषकर, सेक्यूलरिज्म वाले मुद्दों पर यह अधिक होता है। पर अन्य विषय भी हैं, जिस पर किसी नेता की सहज अभिव्यक्ति हलचल पैदा करती है। मानो, यह अपने-आप में उपलब्धि या अपराध हो! हाल में एक सांसद द्वारा किसान आंदोलन के नकारात्मक पहलुओं पर एक बयान उस का उदाहरण है। उन की पार्टी ने ही उन की सार्वजनिक खिंचाई की। मानो सांसद ने अपने मन की बात कह कर कोई अपराध कर दिया! जबकि उसी पार्टी का आई-टी सेल महीनों तक किसान आंदोलन पर वही बातें और अतिरंजित प्रचारित करता रहा था। उन के छोटे नेता व कार्यकर्ता उन्हीं मीम और पोस्टों को खूब शेयर करते थे। मानो, वह आंदोलन उन के अखंड प्रचार से ही ध्वस्त हो जाएगा! लेकिन उल्टा हुआ। अंतत: उन की पार्टी ने ही किसान आंदोलन के सामने हथियार डाल दिए। तब सोशल मीडिया पर उन के समर्थकों और पत्रकारों पर घड़ों पानी पड़ गया। कुछ ने नेताओं के पिद्दीपन पर भड़ास भी निकाली। फिर, यहाँ के चलन अनुसार सब कुछ आयी-गयी बात हो गई। यही चीज ध्यान देने की है - प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी। हमारे नेताओं, बौद्धिकों, और उन के समर्थकों में कोरी बातों, ढंग-अंदाज, और अपने बोल पर खुद फिदा हो जाने का रोग है। साथ ही, विकट समस्याओं, यहाँ तक कि घटनाओं से भी मुँह चुराने, तथा अपने काम के दुष्परिणाम की जिम्मेदारी लेने से भागने का भी। यह सब शेष दुनिया को दिखता रहता है। केवल हमें नहीं दिखता।

(ये लेखक के विचार हैं)

भविष्य के लिए संधि को मंजूरी

गैर-बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए संधि' को मंजूरी मिल गई है। 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए इस संधि में दुनिया को एकजुट करने की बात कही गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जताई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बंटती नजर आ रही है। जिस तरह का टकराव और कड़वाहट है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा हो।

फिर भी, कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिलांजलि नहीं दी जानी चाहिए। इस लिहाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रशंसनीय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने 193 सदस्यों वाली महासभा को इस संधि को मंजूर करने के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि इस संधि से जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, गैर-बराबरी और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के एकजुट होने का रास्ता खुला है, जिससे दुनिया के आठ अरब लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है।

रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय भविष्य के शिखर सम्मेलन' के दौरान 42 पेज की संधि को अपनाया गया। संधि को अपनाने को लेकर महासभा की बैठक की शुरुआत तक संशय बना हुआ था। स्थिति इतनी अनिश्चित थी कि महासचिव गुटेरेश ने तीन अलग-अलग भाषण तैयार किए थे- एक पारित हो जाने के लिए, एक नामंजूर हो जाने की स्थिति के लिए, और एक उस स्थिति के लिए जब परिणाम स्पष्ट न हो। अंततः उन्होंने अपना पहला भाषण दिया। यहां तक सब ठीक है। लेकिन मुद्दा है कि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं की वजह उपभोग बढ़ाने पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जिस पर समझौता करने के कोई देश तैयार नहीं है।

ना ही समस्या से निपटने के लिए गरीब देशों को वित्तीय मदद देने का अपना वादा धनी देशों ने निभाया है। इसी तरह गैर-बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

4 स्कूलों की 80 छात्राओं को मिली साइकिल विधायक रिकेश ने तिलक लगाकर दिया उपहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सरस्वती सायकल योजना के तहत वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने शुक्रवार को वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत विभिन्न शासकीय स्कूल में अध्ययनरत बालिकाओं को सायकल वितरण किया। विधायक रिकेश ने इस दौरान आत्मानंद स्कूल फरीद नगर, सुपेला गवर्नमेंट स्कूल, राम नगर मुक्तिधाम और हाउसिंग बोर्ड स्कूल की 80 बालिकाओं को सायकिल दी गई है। इस कार्यक्रम में स्कूलों की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष, बच्चियों के पालकगण, प्राचार्य सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

विधायक रिकेश सेन ने सभी छात्राओं को नवरात्रि के अवसर पर माता अंबे रानी की चुनरी ओढ़ाकर, तिलक लगा, माला पहनाकर उन्हें सायकिल प्रदान की। उन्होंने कहा कि जो बच्चियां दूरदराज से स्कूल आती जाती हैं, उन्हें सायकिल से स्कूल आने जाने में सहुलियत होती तथा उनका समय और श्रम भी बचेगा। इसलिए वैशाली नगर कन्या विद्यालय प्रांगण में सभी छात्राओं को सायकिल वितरण किया गया।

यही बच्चे देश का भविष्य हैं

विधायक रिकेश ने कहा कि तिलक लगा चुनरी ओढ़ाने और पूजा अर्चना करने का उद्देश्य यह है कि यही जो बच्चे हैं वह देश के भविष्य हैं और यही बच्चे जो है एक दिन इतिहास लिखेंगे और सचमुच अगर हमारी बेटियों के विषय पर जाना जाए भारत देश में, तो हमारी बेटी ही है जो घर को भी संभालती है और देश को भी संवारने का काम करती है तो इसलिए मैंने सोचा कि माता का दिन है, इनको माता के रूप में देखकर हम इनकी पूजा अर्चना करें, सभी शिक्षक यहां पर उपस्थित हैं, स्कूल जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष हैं और सभी पैरेंट्स भी यहां पर उपस्थित हैं तो सभी को नवरात्रि की बधाई देते हुए आज मैंने 80 सायकिल का वितरण किया है। इससे पहले अलग-अलग स्कूलों में सायकल वितरण हो चुका है।

महत्वपूर्ण है सरस्वती सायकल योजना

इस अवसर विधायक सेन ने बताया कि राज्य शासन की बहुत ही महत्वपूर्ण सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत जो बच्चियां बीपीएल सूची के नीचे आती हैं और वर्ष 2007-08 सर्वे सूची जिनके पास है उनकी स्कूल में अध्ययनरत बच्चियों को सायकल वितरण हर साल किया जाता है। वर्तमान में नवरात्रि का पावन अवसर है, जिन बच्चियों को सायकल मिली, वह कहीं न कहीं माता की ही रूप हैं इसलिए सभी बच्चियों को आज टीका लगाकर, माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर और उनको गिफ्ट देकर सायकिल भी प्रदान की गयी है।

खास खबर

नंदिनी खदान क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के नंदिनी चूनापत्थर खदान द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह, 2 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को तीन मुख्य भागों में बांटा गया था। जिसमें स्वच्छता की भागीदारी, सम्पूर्ण स्वच्छता और सफाई मित्र शिविर शामिल था। कार्यक्रम को प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (फ्लक्स) सी श्रीकांत के द्वारा खदान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। माइंस मैनेजर उप महाप्रबंधक (नंदिनी) बीरेंद्र कुमार ने स्वच्छता की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए को सभी के साथ अपना विचार साझा किया। स्वच्छता की भागीदारी के अंतर्गत, अंतर्विभागीय स्वच्छता प्रतियोगिता एवं स्कूली विद्यार्थियों के बीच पोस्टर, स्लोगन प्रतियोगिता, अंतर्विभागीय मैराथन का आयोजन किया गया। साथ ही नंदिनी बाजार, विवेकानंद उद्यान, हॉस्पिटल, डीएवी विद्यालय, नंदिनी खदान कार्यालय परिसर आदि में स्वच्छता कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। सम्पूर्ण स्वच्छता के अंतर्गत ब्लैक स्पॉट क्षेत्र की सफाई की गई, जबकि सफाई मित्र शिविर के अंतर्गत, सफाई कर्मचारियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया।

राजस्व टैक्स पटाने नोटिस मिलने से करदाताओं में हड़कंप

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत नोटिस एक्शन पर नगर निगम राजस्व विभाग का शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम की आर्थिक स्थिति को सुधार करने 120 कर्मचारियों को मैदान में उतार दिया है।यह वसूली अभियान पूरा अक्टूबर माह तक चलेगा।इस अभियान का क्रियान्वयन हेतु दुर्गेश गुप्ता राजस्व अधिकारी को नोडल बनाया गया है। अभियान में नया मोड़ की शुरुवात सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोईर द्वारा 7500 करदाताओ को नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 173 के तहत नोटिस जारी करने से हुई। जिसके तहत 7 दिवस के भीतर टैक्स जमा करने नोटिस जारी हुआ है। अगर नोटिस के बाद भी टैक्स का भुगतान नही होता है तो,नगर निगम द्वारा 10 पलम्बरों की टीम बनाने की योजना बनाई है जो नल कनेक्शन काटने का कार्य करेगे।बता दे कि निगम में इस बात की बड़ी हल्ला है कि इतनी बड़ी मात्रा में नोटिस बाटने का कार्य निगम में पहली बार हो रहा है।आने वाले समय पर बहुत सारे त्योहार आने वाले है, अनावश्यक परेशानी से बचने के लिए टैक्स भुगतान करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नही है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अक्टूबर माह में 10 करोड़ राजस्व वसूली का लक्ष्य दिया है।जिसके तहत सभी प्रकार की कार्यवाही के लिए टीम को नियमानुसार अधिकृत किया गया है।

राज्य स्तरीय शालेय साइकिलिंग: दुर्ग संभाग के खिलाड़ी छाए, नेशनल चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 24 वीं राज्य स्तरीय शालेय साइकिलिंग प्रतियोगिता 2024 25 में बीएसपी साइकलिंग क्लब (दुर्ग संभाग) के खिलाड़ी छाए रहे। 14 वर्ष 17 वर्ष एवं 19 वर्ष आयु समूह की बालक बालिकाओं ने विजेता का खिताब जीता। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के कुल 24 सदस्य दल में बीएसपी साइकलिंग क्लब के कुल 21 साइकिलिस्ट ने दुर्ग संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए शालेय राष्ट्रीय ट्रेक साइकलिंग प्रतियोगिता 2024 25 हेतु क्वालीफाई किया।

यह प्रतियोगिता झारखंड में दिसंबर के द्वितीय सप्ताह में होगी। इंडिविजुअल टाइम ट्रायल, इंडिविजुअल परस्यूट, टीम स्प्रिंट तथा टीम परसूट में लगातार एक के बाद एक पदक हासिल करते हुए 18 स्वर्ण पदक 9 सिल्वर तथा 2 ब्रांज पदक जीतकर अपना वर्चस्व कायम रखा।

खिलाड़ियों की उपलब्धि पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, डा.हिमांशु द्विवेदी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ, नरेंद्र बंछोर अध्यक्ष बीएसपी साइकलिंग क्लब तथा चेयरमैन सैफी, परविंदर सिंह अध्यक्ष बीएसपी साइकिल पोलो क्लब तथा महासचिव ऑफिसर्स एसोसिएशन भिलाई इस्पात संयंत्र, सुभाष टिंगुरिया उपाध्यक्ष, कल्पना स्वामी, दीनू नैयर,अभिषेक, प्रीति यादव शशांक देशमुख आदि सभी ने साइकलिंग पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाइयां दी तथा उनका सम्मान किया।

दुर्ग संभाग के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

साइकलिंग एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक चन्नावार ने बताया कि 10 से 13 सितंबर तक संचालनालय लोक शिक्षण द्वारा 24वीं शालेय राज्य स्तरीय साइकिलिंग चैंपियनशिप 2024 25 का आयोजन जयंती स्टेडियम भिलाई में किया गया। जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र साइकलिंग क्लब (दुर्ग संभाग) के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इन खिलाड़ियों ने दुर्ग संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए 14 वर्ष 17 वर्ष तथा 19 वर्ष आयु समूह के बालक बालिकाओं के सभी इवेंट में इंडिविजुअल टाइम ट्रायल, इंडिविजुअल स्प्रिंट, टीम स्प्रिंट तथा टीम परसुट में कुल 18 गोल्ड 9 सिल्वर तथा 2 कांस्य पदक बटोर कर एक तरफा चैंपियन बने।

21 साइकिलिस्ट राष्ट्रीय शालेय ट्रैक प्रतियोगिता दिखाएंगे जौहर

भिलाई इस्पात संयंत्र साइकलिंग क्लब के कुल 21 साइकिलिस्ट ने दिसंबर द्वितीय सप्ताह में झारखंड में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय शालेय ट्रैक प्रतियोगिता 2024..25 में छत्तीसगढ़ के 24 सदस्यी दल में अपनी जगह बनाकर इस्पात नगरी को गौरांवित किया है। पदक विजेता खिलाड़ियों के मुख्य प्रशिक्षक प्रतीक मनोध्या (एनआईएस कोच) जबलपुर तथा देव प्रकाश वर्मा तथा सहायक प्रशिक्षक शैलेंद्र गेंद्रे बीएसपी क्लब छत्तीसगढ़ है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ी

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला स्टेशन मरोदा भिलाई से सनी चौधरी, राहुल निर्मलकर, पंकज सिंह, भावेश साहू, प्रिंस मेहता, भाग्यलक्ष्मी, इशिता सिन्हा तथा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला स्टेशन मरोदा भिलाई सौरभ दास, सौरभ सिन्हा, अंशिका मेहता, लावण्या, खुशबू नाग, कुमारी वेदिका साहू शामल हैं। इसी प्रकार सेजस रिसाली से शुभम यादव, पूनम देवी, कुमारी खुशबू नाग शामिल हुए। निशा देवांगन, लीना साहू, चंचल कश्यप, सुमन साहू तथा विहान गुप्ता ने भी टीम में जगह बनाई।

बीएसपी में विशेष बुनियादी नागरिक सुरक्षा कार्यशाला हम भी हैं तैयार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित नागरिक सुरक्षा संगठन छत्तीसगढ़ (भारत सरकार-गृह मंत्रालय से संबद्ध) द्वारा रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल के कर्मचारियों की धर्मपत्नियों/गृहिणियों हेतु एक दिवसीय विशेष बुनियादी नागरिक सुरक्षा कार्यशाला ''हम भी है तैयार'' का आयोजन एल एंड डी विभाग के सभागार में किया गया। इस कार्यषाला में 25 महिलाओं ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (एल एंड डी व बीई) व नागरिक सुरक्षा अधिकारी निशा सोनी तथा विषेष अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक तीर्थांकर दस्तीदार उपस्थित थे। मुख्य अतिथि श्रीमति निशा सोनी ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों को नागरिक सुरक्षा संगठन के कार्य के विषय में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि महिलाएँ भी नागरिक सुरक्षा के कार्य को बखूबी कर सकती है और जन जागरूकता व क्षमता विकास हेतु चलाए जा रहे इस कार्यषाला में आप भाग लेकर विपरीत परिस्थिति से निपटने, आपदा में कम से कम हताहत होने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करें, नागरिक सुरक्षा संगठन के माध्यम से यही हमारा प्रयास है।

विशेष अतिथि तीर्थांकर दस्तीदार ने अपने सम्बोधन में कहा कि महिलाएं विपरीत परिस्थिति हेतु हमेशा तैयार रहने के लिए इस कार्यक्रम में बढ़-चढ कर हिस्सा ले रही है। इस कार्यषाला के माध्यम से निष्चित ही उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं धैर्य के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

इस कार्यशाला का उद्देश्य किसी भी आपदा, विपरीत परिस्थिति व संकटकालीन समय में गृहणियों को धैर्य व हिम्मत के साथ कैसे कार्य करना है, संकट से जूझना व उसका सामना करना, अपना व साथी का बचाव कैसे करना है, पीड़ित को सहारा देना, ट्रांसपोर्ट करना, रस्सी से बचाव कार्य तथा प्राथमिक उपचार आदि विषयों पर समझ को बढ़ाना है। अतः गृहणियों कों इस हेतु तैयार करने की जिम्मेदारी नागरिक सुरक्षा संगठन, छत्तीसगढ़ ने लिया है और ''हम भी है तैयार'' के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। घर की सम्पूर्ण जिम्मेदारियां महिलाएं ही संभालती है।

नक्शा नवीनीकरण के कार्यों को विशेष अभियान चलाकर करें पूर्ण-कलेक्टर

राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर नक्शा नवीनीकरण की तहसीलवार जानकारी ली। नक्शा नवीनीकरण के कार्य को विशेष अभियान चलाकर शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने पिछली राजस्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए जमीन से जुड़े सभी अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व वसूली, नक्शा बटांकन, डायवर्सन की गहन समीक्षा की।

इस दौरान कलेक्टर ने विभागीय प्रकरणों के निराकरण में लेटलतीफी करने वाले अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए लंबित प्रकरणों को त्वरित रूप से निराकृत कर दायित्वों का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता से करने को कहा। स्वामित्व योजना के प्रकरणों को शीघ्र निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। डिजिटल क्रॉप सर्वे की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि दुर्ग जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत सभी अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी को डिजिटल क्रॉप सर्वे के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया है। धमधा तहसील को डिजिटल क्रॉप सर्वे हेतु चयन किया गया है, जिसमें धमधा तहसील में कुल 78 ग्राम है, जिसमें 64 ग्राम डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण किया जाना प्रस्तावित है। कलेक्टर ने आधार, मोबाइल नंबर एवं किसान किताब की प्रविष्टि शत-प्रतिशत् करने को कहा। डिजिटल हस्ताक्षर के प्रकरणों को अभियान चलाकर निराकरण करने कहा। नक्शा बटांकन के संबंध में उन्होंने तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी के साथ समन्वय बनाकर हल्केवार निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने भू-अर्जन में विभागीय आपसी सहमति से रिकार्ड दुरुस्थ किया जाना सुनिश्चित करें। भू-राजस्व की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाकर शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित नही होने चाहिए। उन्होंने राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों तथा तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों से उनके न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों एवं मुआवजा भुगतान, भारतमाला परियोजना, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए, जिससे प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करने में किसी भी प्रकार का विलंब न हो।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गोबर से बनाया जा रहा सजावटी समान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में आज रानी शक्ति स्व-सहायता समूह द्वारा गोबर से बने सजावटी समान का प्रदर्शिनी लगाया गया। जिसको देखकर लोग आश्चर्य हो गये। गाय के गोबर से बने फूलदान, सजावटी समान, झुमर, लटकन, तोरण, दिया आदि विभिन्न प्रकार की सामग्री समूह की महिलाओ द्वारा बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन व नगर निगम भिलाई का यही प्रयास रहता है, स्व-सहायता समूह के माध्यम से परिवार की महिलाएं तरक्की करे, आगे बढ़े। इसी लिए शहरी अजीविका मिशन के माध्यम से रोजगारमुखी बनाया जा रहा है।

वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर नीरज पाल स्वयं देखकर आश्चर्य हो गये। कि वेस्ट से बेस्ट बनाने का हुनर जो समूह की महिलाओ का उन्होने देखा बहुत खुश हुए। विधायक रिकेश सेन ने लोगो से आवाहन किया कि हम सबको महिलाओ द्वारा बनाई गई सामग्री को खरीदकर उन्हे प्रोत्साहित करना चाहिए। जिसको हम बेकार समझकर फेंक देते है वही आज इनके द्वारा सुन्दर सा स्वरूप दिया गया है। जब हम समान खरीदेगे, इनका विक्रय होगा, इनके परिवार में भी खुसीयां आएगी। समूह की महिलाओ का उत्पाद खरीद के हम सब इनका मदद कर सकते है। ऐसी मान्यता है गाय का गोबर सकारात्मक ऊर्जा खिंचता है और रेडियेशन को दुर करता है। गोबर के बने फूलदान, सजावटी समान, झुमर, लटकन, तोरण, दिया आदि सामग्री रखने से घर के आस-पास के वातावरण को शुद्ध रखेगा।

निचले क्रम के कर्मचारियों से बेहतर कार्य की अपेक्षाएं ज्यादा: कलेक्टर डॉ. गौरव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जमीनी स्तर के कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के साप्ताहिक ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर में आज आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को ब्रेकफास्ट करने का अवसर मिला। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आत्मीयता के साथ सभी कर्मचारियों से पहले परिचय प्राप्त किया और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिवार के बारे में भी हाल-चाल जाना। कलेक्टर ने उनकी समस्याओं को सुनी और त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों से कार्यों को सुगम बनाने के लिए सुझाव भी मांगे। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्याकर्ताओं एवं सहायिकाओं के साथ कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान यह बातें भी सामने आई कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से निजी अस्पताल द्वारा संपर्क किया जाता है और उन्हें पीड़ित महिलाओं को अस्पताल लाने के लिए कहा जाता हैं। इस बात को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि कोई भी निजी अस्पताल द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं से संपर्क करेगा तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि जिले में योजनाओं का क्रियान्वयन करने में जमीनी स्तर के कर्मचारियों का बड़ा योगदान होता है। बेहतर कार्य करने वाले रेखांकित भी किए जाते है। जमीनी स्तर के कर्मचारी ही असल मायनों में कार्य करते हैं और उसका असर भी देखने को मिलता है। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं से कहा कि गर्भवती महिलाओं को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाएं। कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को सुरक्षित करने के लिए बाउंड्रीवाल बनाया जाएं। हर महीने प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएं और स्वीकृत कराने के बाद तुरंत निर्माण कराया जाए। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय योजनाओं को सफल बनाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र की जवाबदेही सबसे अधिक होती है। कलेक्टर ने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानियां नहीं होनी चाहिए, उन्हें हमेशा राहत देने का कार्य करना चाहिए। अस्पतालों में भी उन्हें सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएं। समय पर इलाज और दवा भी उन्हें दिया जाना सुनिश्चित किया जाएं। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी निशा मिश्रा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चैधरी समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर में बंगोली की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ज्ञानेश्वरी दीवान, कुशालपुर केंद्र की श्रीमती सरिता दीक्षित, धरमनगर केंद्र की अनिता त्रिपाठी, बनरसी केंद्र की हेमलता धीवर, नगपुरा केंद्र की मंजू वर्मा, मठपुरैना केंद्र की टिकेश्वरी साहू, धरसींवा केंद्र की मनीषा शुक्ला, भेलवाडीह केंद्र की अनिता डहरिया, धरसींवा के पर्यवेक्षक रजनी सिंह, सीएचओ दिव्या बैस, मितानिन ईश्वरी वर्मा, आरएचओ दीपाली गावडे, मितानिन लक्ष्मी साहू, मितानिन निर्मला ध्रुव, आरएचओ डोमर साहू को उत्कृष्ट कार्य के लिए कलेक्टर के साथ ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर में शामिल होने का अवसर मिला।

खास खबर...

आईआरआईए का रेजिडेंट एजुकेशन प्रोग्राम आज से

रायपुर। इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) सीजी चैप्टर, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय का रेडियोडायग्नोसिस विभाग और इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई) के संयुक्त तत्वावधान में पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय स्थित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभागार (नये ऑडिटोरियम) में 5 एवं 6 अक्टूबर को दो दिवसीय रेजिडेंट एजुकेशन प्रोग्राम (आईआरईपी-2) का आयोजन किया जा रहा है। आईआरईपी-2 भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा प्रायोजित एक शैक्षिक पहल है जिसका उद्देश्य देशभर के रेडियोलॉजी रेजिडेंट को लाभ पहुंचाना है। इसके फैकल्टी मेंबर में रेडियोलॉजी और इमेजिंग के क्षेत्र में देशभर के अनुभवी विशेषज्ञ शामिल हैं। रेडियोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों के रेडियोलॉजी और इमेजिंग के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के बारे में ज्ञान और कौशल को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम में व्याख्यान, केस आधारित समीक्षा और इंटरैक्टिव फिल्म रीडिंग सत्र का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन अध्यक्ष डॉ. वी. ए. वरप्रसाद, डॉ. ए. अनबरसु, डॉ. ए. ए. उस्मान और सह अध्यक्ष डॉ. एस. बी. एस. नेताम हैं वहीं आयोजन सचिव डॉ. एल. मुरली कृष्णा, डॉ. अमित जी. अग्रवाल और डॉ. आनंद जायसवाल हैं।

सिंचाई पानी के प्रवाह में रुकावट पैदा कर रहे अवैध मछली पकडने़ वाले

रायपुर। गंगरेल बांध से सिंचाई हेतु छोड़े गये पानी के अबाध प्रवाह में अवैध रूप से मछली पकडने़ वाले रुकावट डाल सिंचाई समस्या पैदा कर रहे हैं। इनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने रायपुर जिला जल उपभोक्ता संस्था संघ के अध्यक्ष रहे भूपेन्द्र शर्मा ने महानदी जलाशय परियोजना के मुख्य अभियंता कुबेर सिंह गुरुवर को व्हाट्स ऐप के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया है।

ज्ञापन में बताया गया है कि गंगरेल के नहरों, वितरक शाखाओं व माइनरों में प्रवाहित हो रहे पानी के साथ आने वाले मछलियों को पकडने़ कतिपय विध्नसंतोषी तत्व इन माइनरों व वितरक शाखाओं के गेट को गिरा खासकर रात्रि में जाल डाल अवैध रूप से मछली पकड़ते हैं। इनके द्वारा गेट गिरा दिये जाने से पानी का प्रवाह थम जाता है जिसके चलते निरंतर सिंचाई में बाधा उत्पन्न हो जाती है और नये सिरे से खेतों में पानी पहुंचाने में समय लगता है। ज्ञापन में इन विध्नसंतोषी तत्वों द्वारा माइनरों व वितरक शाखाओं के गेट की डुप्लीकेट चाबी बनवा यह कार्य करने की आंशका व्यक्त करते हुये ऐसे तत्वों के खिलाफठोस कदम उठाने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन में सर्वप्रथम इन तत्वों को चेतावनी देने ग्राम कोटवारों के माध्यम से तुरंत प्राथमिकता के आधार पर मुनादी कराने और बाज न आने पर इनके द्वारा लगाये गये जाल को जप्त कर सिंचाई अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करने के साथ - साथ इनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत भी पुलिसिया कार्यवाही सुनिश्चित कराने आवश्यक पहल का आग्रह किया गया है। इसकी जानकारी महानदी सिंचाई मंडल के अधीक्षण अभियंता एस के सहारे, जल प्रबंध संभाग क्रमांक के कार्यपालन अभियंता ललित रावटे व बगोली सिंचाई उपसंभाग के अनुविभागीय अधिकारी प्रमोद पाल को देते हुये अपने कमांड वाले प्रशासनिक क्षेत्र के ग्रामों में फौरी कदम उठाने का आग्रह किया गया है।

रायपुर नगर निगम की सामान्य सभा में मेट्रो को लेकर हंगामा, भाजपा पार्षदों ने मांगा जवाब

हंगामे के चलते सभापति को सभा को दस मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा

रायपुर। नगर निगम रायपुर की आखिरी सामान्य सभा में जैसा कि अंदेशा था हंगामा होगा और हो भी गया। जब भाजपा पार्षदों ने लाइट मेट्रो ट्रेन के मुद्दे पर जमकर विरोध किया। जैसे ही सभा शुरू हुई, विपक्षी पार्षदों ने लाइट मेट्रो ट्रेन से जुड़े सवालों को लेकर आक्रोश व्यक्त किया। भाजपा पार्षदों ने महापौर का फर्जी मेट्रो ट्रेन का बोर्ड लेकर सभापति के डायस के सामने आ गए और महापौर से रायपुर की जनता से माफी की मांग करने लगे। इस मुद्दे पर बहस इतनी बढ़ गई कि सदन में माहौल गर्म हो गया। कुछ देर के लिए सभा स्थगित करनी तक पड़ गई। फिर चालू हुआ तो जनहित के मुद्दों को लेकर पार्षद फिर हंगामा करने लगे,कामकाज ठप हो गया है और महापौर हकीकत स्वीकार नहीं हैं इसलिए चर्चा से भाग रहे हैं।

सभा की शुरुआत में ही भाजपा पार्षद अमर बंसल और सभापति प्रमोद दुबे के बीच तीखी बहस छिड़ गई। बंसल ने महापौर को झूठा करार दिया और महापौर के बोर्ड को हटाने की मांग की। इसके जवाब में सभापति प्रमोद दुबे ने कहा कि बंसल नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, नियमों के दायरे में बात करें सदस्य। जिससे सदन में और शोरगुल बढ़ गया।

नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने सवाल उठाया कि महापौर ने लाइट मेट्रो ट्रेन के सवाल को अचानक से क्यों हटा दिया। उन्होंने महापौर से इस मुद्दे पर जवाब दिलवाने की मांग की और महापौर पर आरोप लगाया कि वे जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे हैं। विपक्ष ने महापौर को झूठा महापौर कहते हुए जवाबदेही की मांग की, जिससे सदन का माहौल गरमा गया।

सभापति प्रमोद दुबे ने स्थिति को संभालने के लिए सदन को 10 मिनट के लिए स्थगित कर दिया, लेकिन इससे पहले विपक्षी पार्षद सभापति की टेबल तक पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सभापति ने कहा कि सदन की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है और उन्होंने पार्षदों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें। हंगामे के बीच, महापौर ने 8 पार्षदों के सवालों को निरस्त कर दिया, जिससे विपक्ष का आक्रोश और बढ़ गया। विपक्षी पार्षदों ने सवालों को निरस्त किए जाने का विरोध किया और इसे जनता की आवाज़ दबाने की कोशिश करार दिया। हंगामा होते रहा, मुद्दों पर चर्चा हो ही नहीं पा रही थी। समाचाल लिखे जाने तक सामान्य सभा जारी था।

आयुक्त ने स्टार्टअप्स ले रहे युवाओं से की चर्चा

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने राजधानी शहर रायपुर के जयस्तम्भ चौक के समीप मल्टी लेवल पार्किंग के तृतीय तल पर आरम्भ केन्द्र में पहुंचकर वहाँ नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण निगम अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा, सहायक अभियंता सोहन गुप्ता की उपस्थिति में किया। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने स्टार्टअप्स के माध्यम से रायपुर शहर, जिला एवं छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं को रोजगार युक्त बनाने किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। आयुक्त ने आरम्भ केन्द्र में स्टार्टअप्स ले रहे युवाओं से चर्चा की एवं उनका उत्साहवर्धन किया। आयुक्त ने आरम्भ केन्द्र में रायपुर नगर निगम द्वारा प्रगतिरत कार्यों को सतत मॉनिटरिंग करवाकर गुणवत्तायुक्त तरीके से शीघ्र पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बंधित निगम अधिकारियों को दिए। इसके पूर्व आरम्भ केन्द्र पहुंचने पर स्टार्टअप्स ले रहे युवाओं ने आयुक्त अबिनाश मिश्रा का आत्मीय स्वागत किया।

कलेक्टोरेट मल्टी लेवल पार्किंग पर शीघ्र बनेगा 1000 सीटर आईटी टावर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन और रायपुर नगर पालिक निगम के माध्यम से राजधानी शहर रायपुर, जिला रायपुर सहित छत्तीसगढ़ राज्य के स्टार्टअप्स में रूचि लेने वाले युवाओं को शीघ्र शानदार सौगात देने की तैयारी कलेक्टोरेट मल्टी लेवल पार्किंग के ऊपरी तल पर तेज गति से निरन्तर प्रगति पर है। कलेक्टोरेट मल्टी लेवल पार्किंग के ऊपरी तल, जिसका पार्किंग के रूप में उपयोग नहीं होता है, वहाँ बीपीओ सेंटर और कोवर्किंग सेंटर को मिलाकर 1000 सीटर का आईटी इनोवेशन टावर बनाये जाने का कार्य शीघ्र किया जायेगा।

इसके लिए निविदा बुलवाई जा चुकी है एवं कार्य निरन्तर जारी है। इसमें अनेक कम्पनियाँ एवं आईटी सेक्टर के लोग रूचि ले रहे हैँ। इसे आईटी हब के रूप में मल्टी लेवल पार्किंग के ऊपरी तल पर सुन्दर विकसित स्वरूप राजधानी शहर में युवाओं के हितार्थ देने की तैयारी छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की युवा कल्याण मंशा के अनुरूप की जा रही है। इस नवाचार के माध्यम से स्टार्ट अप्स में रूचि रखने वाले युवाओं को एक छत के नीचे बीपीओ सेंटर, को वर्किंग सेंटर को मिलाकर इनोवेशन टावर की अद्भुत सौगात शीघ्र मिलेगी, जहां एक साथ बैठकर राज्य के 1000 उद्यमी युवा उद्यमिता के क्षेत्र में स्टार्टअप्स के माध्यम से जहां अपनी प्रतिभा निखारने का सुअवसर प्राप्त कर सकेंगे।

वहीं वे अपने कैरियर को रोजगार युक्त होकर संवारने का श्रेष्ठ अवसर सहजता एवं सरलता से प्राप्त कर सकेंगे। आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने निरीक्षण कर आईटी इनोवेशन टावर का कार्य शीघ्र प्राथमिकता से युवाओं के हितार्थ छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समाज हितकारी मंशा के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इस दौरान नगर निगम रायपुर के अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा, सहायक अभियंता सोहन गुप्ता की उपस्थिति रही।

राज्य महिला आयोग में पांच सदस्यों की नियुक्ति

रायपुर। राज्य सरकार ने राज्य महिला आयोग में पांच नए सदस्यों की नियुक्ति की है। जिनमें श्रीमती लक्ष्मी वर्मा,श्रीमती सरला कोसरिया, श्रीमती ओजस्वी मंडावी, श्रीमती दीपिका सोरी व श्रीमती प्रियवंदा सिंह जूदेव शामिल हैं। सदस्यों का कार्यकाल आदेश जारी होने के दिनांक से 3 वर्ष अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो के लिए होगा। महिला व बाल विकास विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव के हस्ताक्षर से जारी हुआ है।

बाबा दरबार धनोरा में 186 ज्योति कलश हुए प्रज्जवलित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में हर वर्ष कुंवार एवं चैत्र दोनों पर्व में माता रानी की ज्योति प्रज्वलित किया जाता है साथ ही समय-समय पर यहां पर धार्मिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है। दरबार में भक्तों द्वारा मनोकामना पूर्ती के लिए यहां पर जोत जलवाए जाते हैं। इस दरबार में हर साल देश-विदेश से भी भक्तों द्वारा ज्योति जलवाए जाते हैं। इस वर्ष कुंवार नवरात्रि में दरबार में कनाडा, हरियाणा, अमेरिका, महाराष्ट्र, बलिया उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजनांदगांव, धमतरी, बालोद, उड़ीसा, रायपुर व बेमेतरा जिले के भक्तों द्वारा 186 ज्योति प्रज्वलित कराया गया है।

गुरूवार को दोपहर 12 बजे दरबार के लक्ष्मण बाबा एवं पंडित विनय शर्मा द्वारा विधि विधान एवं मंत्र उच्चारण के साथ घट स्थापित किया गया। इसके बाद नंद पंडा द्वारा चकमक से आग पैदा करके फिर उसी आग से ज्योति कलश जलाया गया। दरबार में प्रतिदिन रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक मंडली द्वारा माता सेवा हेमन्त तेली भजन एवं माता सेवा गायक एवं गुलाब साहू मंडली द्वारा आयोजित किया गया जा रहा है। यह दीप प्रज्ज्वलित में दरबार के लक्ष्मण बाबा, नंद पंडा, विनोद साहू, राजू यादव, गुलाब साहू, मनसुखा साहू, बबलू साहू, जीवराखन, ठेकेदार ओमकार साहू, गज्जू रायपुरिया, एम लाल देवांगन, कुणाल साहू, रुपलाल, टेलर्स सुंदर स्प्रे, कुंभकरण पटेल, बाबू लाल, ठेकेदार हेमंत साहू, भोलू साहू, चीन्टू साहू, वासुदेव स्प्रे, उपसरपंच मनोज पटेल, योगेश साहू, श्रीमती बबीता साहू, ललीता यादव, सुनीता साहू, देवकी साहू, लक्ष्मी साहू, देवश्री साहू, कौशिल्या सेन, अंजू देवांगन, हितेश पटेल, नीरा साहू, प्रभा साहू, कु. पुजा साहू, कु. सुरुचि, छोटी, कु. वेदू साहू, कु. नेहा, कु. डिम्पल साहू, श्रीमती टिकेशवरी साहू, संगीता स्प्रे, पार्वती मंडलीन व पुरईन बाई साहू आदि सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधी चंद्रकांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

छत्तीसगढ़ में फिर से बारिश के आसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर यूटर्न ले लिया है। आगामी दो दिनों में प्रदेश के कई इलाकों में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती है। इस बीच गर्मी, उमस और तेज धूप से लोगों को राहत मिलेगी। इस बार मानसून उत्तरी और मध्य भागों में मेहरबान रहेगा। इन भागों में गरज चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है। आज शुक्रवार को प्रदेश के एक दो जगह पर हल्की से हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने की संभावना है।

इसकी वजह से प्रदेश के कई जगहों पर गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। मानसून सक्रिय होने से बारिश की गतिविधि बढ़ाने की संभावना है। इससे गर्मी और उम्र से लोगों को राहत मिलेगी। आज भी प्रदेश के एक-दो जगह पर हल्की से हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि प्रदेश में मानसून ने यूटर्न ले लिया है। इसके वजह से छह अक्टूबर से उत्तर और मध्य भागों में गरज चमक के साथ वज्रपात की गतिविधि बढ़ाने की संभावना है। इस बीच प्रदेश के अधिकांश जगहों पर बारिश होगी। वहीं दूसरी ओर मध्य छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। बता दें कि इन दोनों मानसून की सक्रियता कम होने की वजह से प्रदेश में अधिकतम तापमान बढ़ने लगा है। तेज धूप और गर्मी से लोग परेशान हैं। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान रायपुर में 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया है।

सलमान खान की फिल्म सिकंदर में नजर आएंगी वरुण धवन की भतीजी, निर्माताओं ने किया संपर्क

अभिनेता वरुण धवन की भतीजी और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर अंजिनी धवन इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म बिन्नी एंड फैमिली को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरसती नजर आ रही हैं। बिन्नी एंड फैमिली की रिलीज के बाद अब अंजिनी की किस्मत चमक गई है। उनके हाथ बड़े सुपरस्टार की बहुचर्चित फिल्म लगी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान की फिल्म सिकंदर की स्टार कास्ट में अंजिनी शामिल हो गई हैं। फिल्म में एक अहम भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने अंजिनी से संपर्क किया है। उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और इसके लिए अभिनेत्री ने हामी भी भर दी है। कहा जा रहा है कि अंजिनी जल्द फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकती है। जल्द इस खबर का आधिकारिक ऐलान किया जाएगा।

सिकंदर के निर्देशन की कमान एआर मुरुगादॉस ने संभाली है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। प्रतीक बब्बर और सत्यराज जैसे दिग्गज सितारे भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। सिकंदर को ईद, 2025 के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

मौनी रॉय ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पहना अतरंगी ड्रेस

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लंदन फैशन वीक के दौरान की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके आउटफिट को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। यूजर्स उनके इस ड्रेस की तुलना बोरे से करने लगे हैं।

एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने अतरंगी आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें उनके लुक को देखकर लोग दंग रह गए हैं।

बताते चलें कि मौनी रॉय के हर एक लुक का दीदार करने के लिए फैंस उनकी तस्वीरों का बेस्ब्री से इंतजार करते हैं लेकिन इस बार उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया है, जिसकी वजह से यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

मौनी रॉय ने अपनी फोटोज क्लिक करवाते हुए ब्लैक एंड व्हाइट कलर का आउटफिट पहना हुआ है, जिसकी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं, लोगों ने उनका ये लुक देखकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है।

एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- ये बोरा क्यूं पहन लिया। दूसरे ने लिख- मेरा कंबल वापिस करो। तीसरे यूजर ने लिखा है- गरीब का कंबल चुरा लिया तुम्हें शर्म नहीं आती क्या। वहीं, अन्य यूजर ने उनके इस लुक को चटाई बता दिया।

बता दें कि एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए डार्क मेकअप किया है। साथ ही उन्होंने आंखों में काजल लगा कर कजरारी निगाहों से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

आलिया भट्ट की जिगरा का नया गाना तेनु संग रखना जारी, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

आलिया भट्ट और वेदांग रैना अभिनीत एक्शन से भरपूर फिल्म जिगरा अपनी स्टोरीलाइन के कारण चर्चाओं में है। 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली यह फिल्म पहले से ही साल की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक है। प्रचार को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने तेनु संग रखना नामक एक भावपूर्ण म्यूजिक ट्रैक जारी कर दिया है, जो निश्चित रूप से आपके दिलों को छू जाएगा।

बीते दिन आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर एक टीजर साझा किया जो उनके और वेदांग रैना के किरदार के बीच भाई-बहन के बंधन को खूबसूरती से दर्शाता है। दृश्य खुशी, दुख और उनके बीच के मजबूत रिश्ते के क्षणों को प्रकट करते हैं। आज धर्मा प्रोडक्शंस ने अपने आधिकारिक पेज पर गाना पेश करते हुए लिखा, जिगरा के दिल और आत्मा को प्रस्तुत करते हुए। तेनु संग रखना गाना रिलीज हो गया है। जिगरा 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज हो रही है।

अरिजीत सिंह की आवाज ट्रैक को ऊंचा उठाती है, क्योंकि वह भावनात्मक धुनों में जादू बुनने के लिए जाने जाते हैं। अनुमिता नदेसन के गायन के साथ उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति तेनु संग रखना को एक भावनात्मक रोलरकोस्टर बनाती है। गाना रिलीज के साथ ही यूट्यूब पर छा गया है और लोग इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर जिगरा की टक्कर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से होगी। हालांकि, इसकी मनोरंजक कहानी और भावनात्मक गहराई के कारण, ऑनलाइन चर्चा का झुकाव आलिया की फिल्म की ओर अधिक है। जिगरा साउंडट्रैक पहले से ही धूम मचा रहा है और एक रोमांचक कथानक के साथ, प्रशंसक आलिया और वेदांग को बड़े पर्दे पर अपने किरदारों को जीवंत करते देखने का इंतजार कर रहे हैं।

सिंघम अगेन का ट्रेलर 7 अक्टूबर को होगा रिलीज, मुंबई में भव्य लॉन्च कार्यक्रम की चल रही तैयारी

सिंघम अगेन 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। कॉप यूनिवर्स की अगली किस्त में अजय देवगन के साथ-साथ कई स्टार कास्ट भी हैं। रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म के ट्रेलर का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की टीम जल्द ही ट्रेलर लॉन्च करने की तैयारी में है। टीम 7 अक्टूबर को फैंस के लिए एक ग्रैंड इवेंट में इस दिवाली पर रिलीज होने वाली सिंघम अगेन के ट्रेलर लॉन्च के लिए पूरी तरह तैयार है।

आगामी फिल्म सिंघम अगेन का ट्रेलर 7 अक्टूबर को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में एक कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया जाएगा। फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ, रणवीर सिंह और अक्षय कुमार अहम रोल में हैं। उम्मीद है कि ये सभी एक्टर-एक्ट्रेस ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मौजूद होंगे। इनके साथ ही मीडिया और स्टार कास्ट के फैंस को भी ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च का हिस्सा बनने के लिए इनवाइट किया जाएगा।

मेकर्स चाहते हैं कि ट्रेलर फिल्म जितना ही ग्रैंड हो। आपको बता दें कि सिंघम अगेन के सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स ने 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। रिपोर्ट्स की मानें तो यह अजय देवगन और रोहित शेट्टी दोनों के लिए सबसे बड़ी नॉन-थियेट्रिकल डील है। रोहित शेट्टी की फिल्मों ने हमेशा दर्शकों की जबरदस्त मांग के कारण सैटेलाइट प्लेयर्स से बड़ी रकम हासिल की है, वहीं सिंघम अगेन को डिजिटल प्लेयर्स ने भी प्रीमियम कीमत दी है। और क्यों नहीं? इस फिल्म में पिछले कुछ दशकों में किसी फीचर फिल्म के लिए सबसे बड़ा कलाकारों का सेट-अप है। सिंघम अगेन रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है और सिंघम रिटर्न्स की अगली फिल्म है। यह दिवाली के त्यौहार के अवसर पर सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ, रणवीर सिंह और अक्षय कुमार अहम रोल में हैं।

अगर आपका पित्त बढ़ गया है तो घरेलू उपाय से करें ठीक

कुछ लोगों को स्किन से जुड़ी एलर्जी होती है जिसे पित्ती उछलना कहते हैं। इसमें त्वचा पर खुजली और उसके बाद हल्के मोटे चकत्ते जैसे होने लगते हैं। इनका रंग कई बार खुजली से लाल हो जाता है। पित्ती उछलना एक तरह की स्किन एलर्जी है। मेडिकल भाषा में इसे हाइव्स (Hives) या अर्टिकैरिया कहते हैं। साधारण बोलचाल में इसे पित्ती, शीतपित्त, छपाकी या ददोरे कहा जाता है। सर्द गर्म में ये समस्या काफी बढ़ जाती है। यानि जब तापमान में बदलाव आता है तो ये समस्या हो सकती है। इसके अलावा पित्ती उछलने के कई दूसरे कारण भी हो सकते हैं जैसे पेट साफन होना, कीड़ा काटना, ज्यादा पसीना आना या किसी दवा और खाने से एलर्जी होने पर भी ऐसा हो सकता है। पित्ती पूरे शरीर पर निकलती है। हालांकि ये कुछ घंटों में अपने आप ठीक भी हो जाती है, लेकिन खुजली काफी परेशान करती है। आप कुछ उपाय करके खुजली को शांत कर सकते हैं।

अदरक- पित्ती का बड़ा कारण सर्द गर्म को माना जाता है। ऐसे में अदरक या फिर सूखी अदरक जिसे सौंठ कहते हैं खाना फायदेमंद माना जाता है। पित्ती उछलने पर अदरक के रस में शहद मिलाकर खा लें। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो त्वचा पर आई सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इससे खून साफ होता है और चकत्ते की लालिमा भी कम होती है। आप दिन में 3-4 बार इसे पी सकते हैं। पित्ती में काफी आराम मिलेगा।

टी ट्री ऑयल- एंटी-इंफ्लामेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर टी ट्री ऑयल भी पित्ती को कम करने में मदद करता है। त्वचा पर टी ट्री ऑयल लगाने से सूजन और खुजली को कम किया जा सकता है। इसके लिए 1 कप पानी में 10-12 बूंद टी ट्री ऑयल की डालें और कॉटन की मदद से लगाएं। आप दिन में 2-3 बार करें। आपको काफी आराम मिलेगा।

नारियल का तेल- नारियल के तेल खुजली को शांत करता है। इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल गुण पित्ती की समस्या में राहत पहुंचाते हैं। नारियल का तेल लगाने से स्किन मॉइस्चराइज होती है इससे खुजली, जलन और सूजन कम होती है। आप दिन में 2- 3 बार स्किन पर कोकोनट ऑयल जरूर लगा लें।

एलोवेरा जेल- स्किन के लिए एलोवेरा जेल बहुत फायदेमंद होता है। आप इसे पित्ती होने पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा जेल में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं। इसे लगाने से सूजन और जलन भी कम होने लगती है। जेल लगाने के बाद ऐसे ही आधा घंटे के लिए छोड़ दें।

अजवायन और गुड़- पित्ती उछलने पर आप अजवाइन और गुड़ को मिलाकर भी खा सकते हैं। अजवाइन में एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से शरीर का तापमान बैलेंस होता है। आप थोड़े से गुड़ में अजवाइन को पीसकर मिला लें। इसे गोलियां बनाकर सुबह शाम खाएं। इससे पित्ती में आराम मिलेगा।

सुबह की एक गलती बन सकती है सिर-गर्दन के कैंसर की वजह, स्टडी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

सिर और गर्दन के कैंसर से बचना चाहते हैं तो रोजाना ब्रश और फ्लॉसिंग करें। इससे मसूढ़ों से जुड़ी कई बीमारी हो सकती है। यह दावा एक रिसर्च में की गई है। ओरल हेल्थ को लेकर लापरवाही से बचने की सलाह दी गई है। सुबह की एक गलती सिर और गर्दन के कैंसर का रिस्क बढ़ा सकती है। एक नई स्टडी में पता चलता है कि रेगुलर तौर से अपने दांतों को ब्रश करने और फ्लॉसिंग करने से इन दोनों ही कैंसर का खतरा कम हो सकता है। अध्ययन के अनुसार, मुंह की साफ-सफाई न करने से सिर्फ डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर ही नहीं बल्कि सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए ओरल हेल्थ को लेकर किसी तरह की लापरवाही न बरतें।

क्या कहती है स्टडी: यह स्टडी कैंसर के खतरे और मुंह में कुछ बैक्टीरिया के बीच कनेक्शन की पहचान के लिए की गई थी। एनवाईयू लैंगोन हेल्थ और इसके पर्लमटर कैंसर सेंटर के रिसर्चर के नेतृत्व में हुई इस स्टडी में पाया गया कि मुंह में रहने वाले सैकड़ों में से एक दर्जन से ज्यादा प्रकार के बैक्टीरिया सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल ग्रोथ की आशंका 50 प्रतिशत तक बढ़ा देती हैं, जबकि छोटे अध्ययनों ने मुंह में कुछ बैक्टीरिया को कैंसर से जोड़ा है। स्टडी में हेल्दी पुरुषों और महिलाओं से जमा ओरल जर्म्स की जेनेटिक स्ट्रक्चर को देखा गया। मुंह में नियमित रूप से पाए जाने वाले सैकड़ों अलग-अलग बैक्टीरिया में से 13 प्रजातियों को एचएनएससीसी के जोखिम को बढ़ाने या कम करने के लिए दिखाया गया है। कुल मिलाकर, इस ग्रुप में कैंसर की आशंका 30 प्रतिशत अधिक थी। मसूड़ों की बीमारी में अक्सर देखी जाने वाली 5 अन्य प्रजातियों के कॉम्बिनेशन में जोखिम 50 प्रतिशत बढ़ गया था।

क्या कहते हैं रिसर्चर: ये बैक्टीरिया बायोमार्कर के तौर पर काम कर सकते हैं, जिनसे हाई रिस्क की पहचान की जा सकती है। क्वाक का कहना है कि पिछली जांचों में पहले से ही इन कैंसर से पीड़ित लोगों के ट्यूमर के सैंपल में कुछ बैक्टीरिया का पता चला था। फिर, 2018 में मौजूदा रिसर्च टीम ने पता लगाया कि हेल्दी पार्टिसिपेंट्स में रोगाणु, समय के साथ, एचएनएससीसी के आने वाले जोखिम में कैसे मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी और भी ज्यादा रिसर्च की जरूरत है।

रेगुलर तौर पर करें ब्रश: इस स्टडी में शामिल रिसर्चर का कहना है कि अपने दांतों को ब्रश करना और फ्लॉसिंग रेगुलर तौर पर करें। इससे न केवल पीरियडोंटल बीमारी को रोकने में मदद मिल सकती है, बल्कि सिर और गर्दन के कैंसर से भी बच सकते हैं। ओरल हेल्थ को लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

आपका मूड खराब कर सकती है शरीर में विटामिन की कमी

खुश रहने के लिए मूड का अच्छा रहना बहुत जरूरी है। मूड अच्छा रहता है तो दिन अच्छा व्यतीत होता है और तनाव कम होता है। इसका असर आपकी सेहत और नींद पर सबसे ज्यादा पड़ता है। ऐसे में सबसे जरूरी है कि आप इस बात का पता करें कि आपका मूड खराब क्यों होता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार हार्मोंस में बदलाव आने की वजह से मूड खराब होता है तो कई बार कोई बीमारी मूड स्विंग का कारण बनती है। इसके अलावा शरीर में कुछ खास विटामिन और मिनरल की कमी से भी मूड स्विंग्स हो सकता है। जानिए मूड स्विंग्स क्यों होता है?

दरअसल हमारे शरीर को कुछ खास पोषक तत्वों की जरूरत होती है, जो हमें खाने से मिलते हैं। हमे सिर्फस्वाद या भूख मिटाने के लिए नहीं बल्कि शरीर की जरूरतों को ध्यान में रखकर भोजन खाना चाहिए। जब शरीर में विटामिन और मिनरल्स की कमी होती है तो इससे हमारा Cognitive Function (संज्ञानात्मक कार्य) प्रभावित होता है। ऐसी स्थिति में चीजों को याद रखना, ध्यान केंद्रित करना, पॉजिटिव सोच रखना और क्लीयर सोचना मुश्किल हो जाता है।

डाइट में इन चीजों का रखें ख्याल

इसलिए अपनी डाइट को पोषक तत्वों के हिसाब से चेक करें। आप दिनभर में कितने न्यूट्रीएंट्स ले रहे हैं। कितना नमक, चीनी और तेल खा रहे हैं। बाहर का खाना कितना खाते हैं। इसके हिसाब से अपनी डाइट प्लान करें। खाने में दूध, डेयरी उत्पाद, फल सब्जियां, नट्स और सीड्स शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां और साबुत मोटा अनाज ज्यादा शामिल करें।

इन विटामिन की कमी से हो सकता है मूड स्विंग

कई रिसर्च में भी ये बात सामने आई है कि शरीर में विटामिन और खनिज की कमी होने से हमारी मनोदशा पर इसका असर पड़ता है। मूड स्विंग का बड़ा कारण विटामिन और पोषण की कमी हो सकता है। शरीर में विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन डी, और विटामिन ई की कमी होने से मूड स्विंग्स हो सकते हैं। इसके अलावा मिनरल्स में कैल्शियम, क्रोमियम, आयरन, जिंक, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी होने से भी मूड स्विंग्स हो सकते हैं। कई बार न्यूट्रीशियन की कमी से शरीर में दूसरी समस्याएं होने लगती हैं।

सीएम साय ने लगाई विकास कार्यों की झड़ी 167 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज दंतेवाड़ा जिले के प्रवास के दौरान जिले में 167 करोड़ 21 लाख रुपए के विकास कार्यों की लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें लोकार्पण के तहत जिला दन्तेवाड़ा के विकासखण्ड कुआकोण्डा में शासकीय उपाधि महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों हेतु 100 सीटर कन्या छात्रावास भवन निर्माण कार्य 272.450 लाख रू., दन्तेवाड़ा में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण 99.000 लाख रू., 100 सीटर छात्रावास भवन का निर्माण कार्य दन्तेवाड़ा 160.000 लाख रू., बुढ़ा तालाब बारसूर में सौंदर्यीकरण कार्य विकासखण्ड-गीदम 453.000 लाख रू., शंकनी-डंकनी नदी तट पर घाट निर्माण 3659.700 लाख रू., 500 सीटर आवासीय विद्यालय कारली के भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित वि.ख.-गीदम 487.150 लाख रू., एनीकट निर्माण कार्य कटेकल्याण पुजारी पारा डुमाम नदी पर 350.000 लाख रू., दुगेली एनीकट निर्माण कार्य 372.940 लाख रू., प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छिन्दनार का निर्माण कार्य 75.000 लाख रू., उप स्वास्थ्य केन्द्र हिड़पाल का निर्माण कार्य 28.510 लाख रू. के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

इसी प्रकार भूमिपूजन के अन्तर्गत आस्था विद्या मंदिर किरन्दुल हेतु भवन निर्माण, कर्मचारी हेतु आवास, छात्रावास भवन सड़क नाली बाउंड्री निर्माण आदि 4219.000, जिला दन्तेवाड़ा के रानीबाग में भवन निवास के भूतल एवं प्रथम तल का निर्माण कार्य 326.570, मड़कामीरास में 50 सीटर आदिवासी प्री. मे. कन्या छात्रावास निर्माण कार्य 191.510, जंगमपाल में 50 सीटर कन्या आश्रम का निर्माण कार्य 162.760, बड़ेगुडरा में 100 सीटर आदिवासी पो. मै.कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य 288.590, मारजूम में 50 सीटर कन्या आश्रम का निर्माण कार्य 162.760, समेली में 100 सीटर आदिवासी पो. मै. कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य 191.510, पालनार में 100 सीटर आदिवासी पो. मै. कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य 288.590, ग्राम जावंगा में स्वीमिंग पुल निर्माण कार्य 221.040, जोगिंग ट्रैक एवं बाउंड्रीबॉल निर्माण कार्य 47.130, सामुदायिक भवन गीदम जावंगा में पार्क एवं ट्यूबवेल निर्माण कार्य 49.510, आदिवासी बालक आश्रम बोदली में कार्य 162.760, आदिवासी बालक आश्रम समेली में कार्य 162.760, आदिवासी बालक आश्रम नहाड़ी में कार्य 162.760, आदिवासी बालक आश्रम बुरगुग 162.760, आदिवासी बालक आश्रम पोटाली 162.760, आदिवासी बालक आश्रम कौरगांव 162.760 आदिवासी बालक आश्रम मुस्तलनार 162.760, आदिवासी बालक आश्रम गुमलनार 162.760 आदिवासी पो. मै. बालक छात्रावास गीदम 191.510, आदिवासी नवीन पो. मै. बालक छात्रावास गीदम 191.510, आदिवासी पो. मै. बालक छात्रावास कुआकोण्डा 191.510, आदिवासी पो.मे. बालक छात्रावास कासोली 191.510, आदिवासी पो. मै. कन्या छात्रावास कासोली 191.510, आदिवासी पो. मै. बालक छात्रावास दन्तेवाड़ा 191.510, आदिवासी पो. मै. कन्या छात्रावास दन्तेवाड़ा 191.510, कैडियापारा एनीकट (ग्राम पंचायत भूसारास) निर्माण कार्य 260.460, फरसपाल जलाशय योजना का जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य 255.770, चेक डेम निर्माण कार्य ग्राम झिरका पण्डेवार 49.990, झोड़ियाबाड़म नदी पर एनीकट निर्माण कार्य 390.310, कामालूर से बासनपुर मार्ग पर पुलिया निर्माण 18.450, आर. सी. सी. स्लेब पुलिया निर्माण 03 स्पान 06 मी. स्पान बालूद से कुआपारा 49.560, पुलिया निर्माण कामालुर से बासनपुर आर. डी. 4. 05 मी. 41.300, आर. सी. सी. स्लेब पुलिया निर्माण 06 मी. स्पान बालूद से मंझारपारा 25.180, पुलिया निर्माण बालूद से टोटापारा मार्ग 30.160, डंकनी नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य कि. मी. पोन्दुम से दाबपाल मार्ग पर 445.700, जिला दन्तेवाड़ा के ग्रामीण महिला एवं युवाओं के लिये आर्थिक अवसरों को उप्रेरित करने के लिये युवा हब संचालन कार्य 59.800, ग्राम पंचायत नहाड़ी के आश्रित ग्राम मुलेर में विद्युतीकरण कार्य 345.000 के कार्य शामिल हैं।

गांव के विकास के लिए गांवों में आयोजित की जा रही विशेष ग्राम सभाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य के ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए बेहतर प्रयास कर रहे हैं। पंचायती राज मंत्रालय के तहत देश भर में 750 चुनिंदा गांवों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही हैं, जिसका उद्देश्य सभी ग्रामीणों को एकजुट करना और गांव के विकास के लिए ग्राम पंचायत विकास योजनाओं पर चर्चा करना है।

विगत दिवस बगिया ग्राम पंचायत में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामवासियों को विभिन्न जन योजनाओं, पंचायत की विकास योजनाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही योजना की जानकारी लेने के बाद विकास योजना ग्रामीणों द्वारा तैयार किया जाता है। कार्यक्रम में गांव के सरपंच राजकुमारी साय और सचिव रमाकांत वैष्णव ने ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया कि ओर कहा कि अपनी पंचायत की योजनाओं में सक्रिय भागीदारी करें और विकास की दिशा में प्रगति करें। उन्होंने पंचायत की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने और ग्राम सभा में महिलाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने स्वच्छता और नशा मुक्ति अभियान के लिए ग्रामीणों को शपथ दिलाई।

ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया की दिव्या प्रियदर्शनी द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत संचालित पीपीसी पर लघु फिल्म दिखाई गई। इसके साथ ही उन्होंने जीपीडीपी, सतत विकास के स्थानीय करण के विषयों की चर्चा की और बगिया ग्राम पंचायत के पंचायत विकास सूचकांक स्कोर की जानकारी दी। इसी आधार पर संकल्प लेने में सहायता करना और इस संकल्प के पूरा करने में स्थानीय महिलाओं के सामुदायिक संगठन, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि और स्थानीय विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों की भूमिका का उल्लेख किया गया।

गलत जानकारी देकर टेंडर लेने वालों पर मंत्री साव ने दिए कानूनी कार्रवाई के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के नीर भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों को मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गांवों में पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति के लिए भू-जल स्त्रोतों को रिचार्ज करने भू-जल संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से करने को कहा।

श्री साव ने 12 समूह जल प्रदाय योजनाओं के टेंडर में ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र सही नहीं पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने निविदा निरस्त कर निविदाकारों के विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही करने को कहा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और जल जीवन मिशन के संचालक डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने क्रेडा द्वारा स्थापित किए जा रहे सोलर पंपों के मापदण्डों का क्रेडा के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए चयनित तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी के कार्यों को अलग से मॉनिटर करने को कहा। इन एजेंसीज द्वारा अच्छा कार्य करने से कार्यों की गुणवत्ता में निश्चित ही सुधार आएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने जल जीवन मिशन के कार्य जहां पूर्ण हो चुके हैं, वहां योजना के प्रचार-प्रसार के साथ जल उत्सव का आयोजन करने को कहा। इससे अन्य गांव भी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने विभाग के मैदानी अमले को लगातार कार्यस्थलों का भ्रमण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को मिशन मोड में पूर्ण करने सभी अधिकारियों को फील्ड में निरंतर सक्रिय रहने को कहा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन की नल जल योजनाओं में भू-जल स्त्रोतों की उपलब्धता सुनिश्चित करने विभागीय मशीनों के साथ ही जल जीवन मिशन के कार्यों में लगी मशीनों के लिए आगामी 15 नवम्बर तक की कार्ययोजना तैयार की गई है। मिशन के कार्यों का अवयववार और योजनावार लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि योजनाओं के शेष कार्य दिसम्बर-2024 तक पूर्ण किए जा सकें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता डॉ. एम.एल. अग्रवाल तथा रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर जोन के मुख्य अभियंता भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

लखपति दीदी से करोड़पति बनने की राह पर अनीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जिले में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन में स्थानीय महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो इसके लिए स्व सहायता समूह गठित कर विविध गतिविधियों से जोड़कर नए नए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और जिले की महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत बनकर लखपति दीदी के रूप में जानी जा रही हैं।

यह कहानी एक ऐसी महिला की है जो करोड़पति बनने की राह पर अग्रसर है, जिसने एक मिसाल कायम की है और न जाने कितनों को प्रेरित कर रही है। अनिता साहू जशपुर जिले के काँसाबेल विकासखण्ड की नरियाड़ाँढ ग्राम पंचायत प्रगति महिला ग्राम संगठन में नारी शक्ति स्व सहायता समूह की सदस्य है और कल्पना संकुल संगठन चेतना के अंतर्गत एफएलसीआरपी के पद पर बिहान कार्यक्रम से जुड़ी हुई है। आज उद्यमिता विकास के क्षेत्र में इनका नाम सबसे आगे है। वे अपनी सोच की बदौलत इस मुकाम में पहुंची है। 2016 के सी आरपी राउंड मे समूह से जुड़ी और 2017 में एफएलसीआरपी बनी। शिक्षक पति अपने अध्यापन कार्य मे व्यस्त रहते थे। अनीता ने सोचा कि क्यों नहीं छोटा-मोटा कार्य कर अपनी आय में वृद्धि की जाए, उसने यू ट्यूब देखा और फ्लाई एश ब्रिक्स बनाने का कार्य शुरू करने की सोची। 2017 में बैंक लिंगकिज के माध्यम से 1 लाख रुपये का लोन लिया एवं सीआइएफ से 60 हजार की राशि लेकर करीब डेढ़ लाख में फ्लाई एश ब्रिक्स बनाने का छोटा मशीन खरीदा और बिजनस शुरू किया। आस पास से मांग आने लगी और धीरे धीरे पहचान बनने लगी और लाभ होने लगा। समूह की अन्य 3 दीदियों को कार्य से जोड़ मांग की अधिकता एवं लाभ कमाने लगी और व्यापार मे इनकी सोंच बढ़ने लगी की और ज्यादा उत्पादन किया जाने लगा

सकारात्मक सोच से अनिता की दशा दिशा बदल गई उसने 15 लाख का लोन लिया। 13 लाख का हीपकों फ्लाई एश ब्रिक्स मशीन खरीदा, 1.5 लाख मे 20 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया और उत्पादन शुरू कर दिया। आज के दिनों में 8 समूह सदस्य 3 पुरुष काम कर रहे हैं हैं और प्रतिदिन 10000 ईट का उत्पादन कर प्रतिदिन खर्च काट कर 10000 रु प्रतिदिन शुद्ध लाभ कमा रहे है।

आकांक्षी जिला दंतेवाड़ा जैविक कृषि जिला बनने की ओर अग्रसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के द्वारा आकांक्षी जिला दंतेवाड़ा को जैविक जिला बनाने की ओर वृहद स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में प्रमुख रूप से जिले के किसानों को जैविक खेती की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया जा रहा है। किसानों को रासायनिक खेती को छोड़ कर जैविक खेती की ओर अग्रसर करना एवं किसानों का जैविक प्रमाणीकरण इत्यादि गतिविधियां शामिल है।

गौरतलब है कि दंतेवाड़ा जिले में रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का प्रचार-प्रसार और विक्रय प्रतिबंधित किया गया है। इसके अतिरिक्त वृहद क्षेत्र प्रमाणीकरण अंतर्गत जिले के 110 गांव के 10 हजार 264 किसानों के 65 हजार 279 हेक्टेयर भूमि का जैविक प्रमाणीकरण किया जा चुका है जो कि देश में सबसे बड़ा क्षेत्र है।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य के सभी आकांक्षी जिले लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। गौरतलब है कि दंतेवाड़ा जिले में वर्तमान में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए जिले के 220 ग्रामों में तीन चरणों में कृषक खेत पाठशाला का आयोजन के साथ-साथ जैविक कार्यकर्ताओं के माध्यम से तकनीकी सहयोग किसानों को दिया जा रहा है। इसके साथ-साथ जैविक किसानों को विभिन्न जगहों पर अभ्यास भ्रमण एवं उनके लिए आवासीय प्रशिक्षणों का आयोजन भी किया जा रहा है।

मसेनार और पाहुरनार सम्पूर्ण जैविक ग्राम का मुख्यमंत्री ने सौंपा प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपने दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विकासखण्ड दंतेवाड़ा के ग्राम मसेनार एवं विकासखण्ड गीदम के ग्राम पाहुरनार को संपूर्ण जैविक ग्राम का प्रमाण पत्र प्रदान किया। यहां देश के सबसे अधिक रकबे 65 हजार 279 हेक्टेयर एवं 110 ग्रामों में 10 हजार 264 किसानों के द्वारा जैविक खेती की जा रही है, जिन्हें वृहद क्षेत्र प्रमाणीकरण के अन्तर्गत भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के द्वारा जैविक प्रमाणीकृत किया गया है।

वर्तमान में जैविक जिला दंतेवाड़ा में विशिष्ट कार्य करने के अंतर्गत जैविक जिला में परिवर्तन कर कृषकों की आजीविका विकास के लिए जैविक खेती में वृहद स्तर पर प्रशिक्षण प्रचार प्रसार शैक्षणिक भ्रमण सिंचाई एवं अधोसंरचना विकास, मार्केट लिंकेज इत्यादि के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाकर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा एफपीओ प्रमाणीकरण संस्था के संबंध में कार्य किया जा रहा है। जिले में रासायनिक उर्वरक एवं रासायनिक दवा पूरी तरह प्रतिबंधित है। जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए जिले के सभी 220 ग्रामों में तीन चरणों में कृषक खेत पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। 300 से अधिक स्थानीय प्रगतिशील किसानों को राज्य के बाहर प्रशिक्षण देकर जैविक कार्यकर्ता एवं मास्टर ट्रेनर्स के रूप में तैयार किया गया है।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए इस खरीफ वर्ष में 1200 हेक्टेयर रकबा में हरी खाद एवं 800 से अधिक रकबा में श्री विधि से खेती किया गया है। जिले के सभी 23000 किसानों को स्वॉइल हेल्थ काड उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय को इस अवसर पर ग्राम कासौली के प्रगतिशील किसान बोसाराम अटामी ने उन्नत किस्म के अमरुद और कमल सिंह नाग ने जैविक विधि से उत्पादित विशिष्ट चावल की टोकरी भेंट स्वरूप की।

इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन के तत्वावधान में नियद नेल्लानार योजना के तहत मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम पंचायत चेरपाल और गोंगपाल को बस संचालन सेवा प्रारंभ करने के लिए दो बसें प्रदान की गई। जिसका संचालन सेवा महिला स्व सहायता समूह करेगी। दूर-दराज के ग्रामों में सरल आवाजाही के लिए प्रशासन द्वारा 6 बसें और दी जाएगी। इस मौके पर लाइवलीहुड कॉलेज से प्रशिक्षित 2 युवाओं, ग्राम धुरली के अनिल और ग्राम गामावाड़ा के गौरीश को भी टैक्सी संचालन के लिए 4 पहिया वाहन प्रदान किया गया।

जिला प्रशासन की पहचान दन्तेवाड़ा नवाचार कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम बालपेट के 6 माह के बालक धीरज नाग को सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के दस्तावेज भी मुख्यमंत्री के हाथों प्रदाय किया गया। पहचान दन्तेवाड़ा एप के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त समन्वय से जिले के सभी नवजात शिशुओं से संबंधित सभी आवश्यक मूलभूत दस्तावेज 4 माह के अंदर उनके पालकों को सौंपे जाने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इससे बच्चों के जन्म से बड़े होने तक सभी दस्तावेज उनके पास उपलब्ध होंगे, पालकों को इन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर से भी मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री की पहल पर नंदकुमार को मिला कृत्रिम पैर

रायपुर। सड़क दुर्घटना में अपना एक पैर गंवा चुके जशपुर जिले के केरसई निवासी नंदकुमार के लिए एक नई उम्मीद की किरण तब आई जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर उन्हें कृत्रिम पैर उपलब्ध कराया गया। इससे नंदकुमार की जिंदगी में फिर से एक नई शुरुआत हुई है और उनके चेहरे पर मुस्कान लौट आई है।

दुर्घटना में एक पैर गंवाने के बाद नंद कुमार राम कई परेशानियों से जूझ रहे थे। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में जाकर अपनी समस्या बताया और मुख्यमंत्री से कृत्रिम पैर की मांग करते हुए अपनी स्थिति से अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने संज्ञान लेते हुए नंदकुमार को जल्द से जल्द कृत्रिम पैर उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के परिपालन में नंदकुमार को रायपुर भेज कर कृत्रिम पैर दिलाया गया। अब वह बहुत खुश है कि बिना परेशानी के चल फिर रहा है।

केरसई निवासी नंदकुमार राम ने बताया कि वे बस चालक के रूप में काम करते थे। वे कोरबा से रांची बस चलाते थे। वर्ष 2018 में सिसई झारखंड में उनका एक ट्रक के साथ एक्सीडेंट हो होने के कारण उनका एक पैर काटना पड़ा। जिससे उन्हें चलने फिरने में समस्या होती थी। उनके देखभाल के लिए एक आदमी को हमेशा उनके साथ रहना पड़ता था। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मिलकर अपनी समस्या बताई। मुख्यमंत्री के प्रयास से अब नंदकुमार राम बिना बैसाखी के चल फिर लेते हैं।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

चार साल की बच्ची के गुप्तांग में घुसी जोंक, तालाब में नहाने गई थी मासूम

कोरबा। जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां खेल-खेल में चार साल की मासूम बच्ची के गुप्तांग में जोंक घुस गई। इसके बाद हड़कंम मच गया और उसे गांव के पास स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालत बिगड़ने पर उसे जिला मेडिकल कॉलजे में भर्ती किया गया। डॉक्टरों की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद जोंक को बाहर निकाला। इसके बाद मासूम, डॉक्टर की टीम और परिजनों ने राहत की सांस ली।

बताया जा रहा है कि बांगो थाना अंतर्गत नवापारा गांव निवासी जलप्रताप सिंह का परिवार निवास करता है। उसकी दो बेटी और पत्नी साथ रहते हैं। शुक्रवार की सुबह वो काम पर गया हुआ था। उसकी पत्नी खेत में काम करने गई हुई थी। वहीं, एक बड़ी बेटी 12 साल और उसकी छोटी बेटी 4 वर्षीय दोनों घर के पास तालाब में नहाने गए हुए थे। दोपहर को दोनों तालाब से नहाकर घर वापस लौटे। इस दौरान चार वर्षीय मासूम चीख-पुकार मचाने लगी और गुप्तांग में दर्द होने की बात कही। तब इसकी जानकारी अपने माता-पिता को बड़ी बेटी ने दी। उसे कटघोरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत को देखते उसे तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जिला मेडिकल कॉलेज में उसे पीडिया वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने गुप्तांग में जांच करने के दौरान एक जोंक मिली, जिसे बाहर निकल गया। वहीं, बारीकी से जांच करने के बाद जोंक को काफी मशक्कत बाद बाहर निकाला गया। डॉक्टरों की की माने तो समय रहते अगर मासूम को अस्पताल नहीं लाया जाता तो शायद उसकी जान को खतरा भी हो सकता था। डॉक्टरों की टीम ने घण्टो मशकत के बाद मासूम की जान बचाई।

तेज रफ्तार का कहर, कार ने बाइक सवार को मारी जोरदार टक्कर, हुई मौत

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के इंदिरा उद्यान के पास तेज रफ्तार कार और बाइक में आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई। हादसे में बाइक युवक की मौत हो गई। कार चालक के खिलाफथाने में अपराध दर्ज किया गया है। घटना अकलतरा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार, युवक दुर्गेश कौशिक जोकि केएसके प्लांट में ऑपरेटर के पद पर ठेका कर्मचारी है। शुक्रवार को वह अपने काम पर जा रहा रहा था। इस बीच पता चला कि केएसके प्लांट के सामने धरना प्रदर्शन की जानकारी होने पर वापस घर अकलतरा आ रहा था। इस बीच रात्रि 10.30 इंदिरा उद्यान के पास तेज रफ्तार कार चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही पूर्वक चलते हुए सामने से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दुर्गेश कौशिक को गंभीर हालत में सीएचसी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने जांच उपरांत मृत घोषित किया।

दुर्ग पुलिस की गिरफ्त में आया हेरोइन की तस्करी का सरगना, लंबे समय से थी तलाश

वैशाली नगर थाना क्षेत्र का मामला, पंजाब से लाकर युवाओं को बेचता था हेरोइन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग-भिलाई में हेरोइन की सप्लाई का मुख्य चेन और इसकी तस्करी का सरगना पुलिस के हाथों चढ़ गया है। दुर्ग पुलिस को लंबे समय से इसकी तलाश थी। भिलाई शहर में पिछले कुछ माह में हेरोइन तस्करी के मामले में सफलता मिली लेकिन सरगना फरार था। एक इनपुट मिला और दुर्ग पुलिस की टीम ने अमृतसर से तस्कर को दबोच लिया। साथ ही पुलिस ने इसके दो साथियों को भी दबोच लिया है। दुर्ग एसपी जितेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को इस पूरे मामले का खुलासा किया है।

बता दें वैशाली नगर पुलिस ने पूर्व एनडीपीएस एक्ट के तहत हेरोइन को खपाने वाले रूप सिंह, राजा सिंह, गगनदीप सिंह, प्रवीण दुबे को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में पुलिस को पता लगा कि नशे का मास्टर माइंड शेरा उर्फशेरसिंह वृंदा नगर कैम्प में रहता है और पंजाब से चिट्टा ला कर भिलाई में उन्हें बेचता है। शेरा उर्फ शेर सिंह को जैसे ही इसकी जानकारी मिली वह फरार हो गया। फरार होने के बाद शहर में हेरोइन का कारोबार बदस्तूर जारी रहा। वह लगातार पंजाब से चिट्टा लाकर राजनांदगांव, भिलाई, दुर्ग में नशे का कारोबार करता रहा। दुर्ग पुलिस टीम शेरा उर्फ शेरसिंह की सरगर्मी से तलाश में जगह जगह छापे मार रही थी।

पंजाब से खरीदकर भिलाई लाता था हेरोइन

पूछताछ में शेरा ने बताया कि वह अमृतसर पंजाब के रहने वाले जोधा सिंह एवं लवप्रीत सिंह से चिट्टा खरीद कर भिलाई लाकर बेचता था। शेरा उर्फशेरसिंह के निशानदेही पर आरोपी जोधा सिंह एवं लवप्रीत सिंह को अमृतसर से घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी शेर सिंह के कब्जे से 20 ग्राम, आरोपी जोधा सिंह के कब्जे से 20 ग्राम एवं लवप्रीत सिंह के कब्जे से 15 ग्राम कुल वजनी करीबन 55 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया। बरामद हेरोइन की कीमत लगभग 5 लाख रुपए बताई जा रही है। अब तक इस प्रकरण में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनके पास से 7 लाख रुपए का कुल 66 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है।

ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस

इस बीच पुलिस को पता चला कि शेरा उर्फ शेर सिंह पंजाब में रह कर नशे का कारोबार कर रहा है। सूचना मलिने पर दुर्ग पुलिस की एक टीम को पंजाब रवाना किया गया। मोबाइल नंबर, टावर लोकेशन, सीडीआर के मदद से शेरा उर्फशेरसिंह का लोकेशन ट्रेस किया। इसके बाद पुलिस की टीम ग्राहक बनकर शेर सिंह के पास पहुंची। इसके बाद पुलिस ने शेर सिंह को हिरासत में ले लिया।

नशीली दवा बेचने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। पुलिस ने छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले और बिहार से नशीली दवा का काला कारोबार करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ऑनलाइन दवा मंगाकर इसकी सप्लाई लोगों को करते थे। दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि पद्मनाभपुर पुलिस ने 16 सितंबर को नशीली दवा बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने उनसे पूछताछ की तो पता चला कि उनके साथ कुछ और लोग इसमें शामिल हैं। इसके बाद पुलिस ने उनको पकड़ने के लिए एक जाल बनाया।

पुलिस खुद दवा की खरीददार बनी। इसके बाद ग्राहक बनकर आरोपियों से संपर्क किया। पुलिस ने आरोपियों से कुरियर के जरिए दवा मंगवाई और उसके पैसे भी उन्हें दिए। पुलिस ने जांच में पाया कि उन्हें जो दवा भेजी गई है वो कोरबा से भेजी गई है। इसके बाद कोरबा से नशीली दवा भेजने वाले आरोपी दीपक साहू और भुवनेश्वर बरेठ को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पुलिस ने हार्दिक भोई और दिलीप साहू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उन्होने बताया कि हार्दिक और दीपक दोनों आर्डर लेते थे और कोरबा के भुवनेश्वर और पटना के रविशंकर प्रसाद के अकाउंट में पैसे डाले जाते थे।

किराये पर लिया था अकाउंट

पुलिस ने जब पैसे भेजने वाले आकाउंट की की जांच की तो पता चला कि आरोपी भुवनेश्वर ने अपना अकाउंट दीपक को किराए पर दिया था। जब उसमें पैसे आते थे तो अमेजन और इंडिया मार्ट साइट के जरिए नशीली दवा को डिमांड करने वाले के घर तक कुरियर करता था। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि इसमें किशन नाम का मुख्य आरोपी है। वो अभी फरार है। पुलिस उसकी पतासाजी कर रही है। जिन-जिन खाते से लेनदेन हुआ है पुलिस ने उन सभी को फ्रीज करवा दिया है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा कर रही है।

ट्रेन में चढ़ने के दौरान फिसला शख्स, फुटरेस्ट व बॉक्स के बीच फंस गए थे पैर, मौके पर मौत

■ **ब्रह्मपुर से सूरत जा रहा था यात्री, रायपुर रेलवे स्टेशन पर सामान लेने उतरा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की सुबह दर्दनाक हादसे में एक यात्री की मौत हो गई। घटना सुबह लगभग 9:40 बजे के आसपास की बताई जा रही है। पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस प्लेटफार्म क्रमांक तीन पर पहुंची और उसमें चढ़ने के प्रयास में यात्री फिसल गया। उसके दोनों पैर ट्रेन के फुटरेस्ट और बॉक्स के बीच में फंस गए। करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकला गया और अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यात्री की पहचान तीरथ दलाई के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह 9:40 बजे प्लेटफार्म नंबर 3 पर पुरी अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन पहुंची। निर्धारित समय तक रुकने के बाद ट्रेन चलने लगी तो तीरथ दलाई दौड़कर ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगा। तभी वह फिसला और दोनों पैर फंस गए। इस दौरान ट्रेन की रफ्तार काफी कम थी और समय पर उसे रोक लिया गया। इसके बाद काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। तीरथ दलाई गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना मिलने के बाद रेलवे की मेडिकल टीम मौके पर पहुंची।

घायल तीरथ दलाई को महिला डॉक्टर धैर्या गुप्ता द्वारा सीपीआर भी दिया गया इसके बाद भी शरीर में कोई मुवमेंट नहीं दिखा। इसके बाद तत्काल उसे मेकाहारा अस्पताल दाखिल किया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अचानक हुए इस हादसे से हड़कंप मच गया है। घटना के बाद रेलवे द्वारा मृतक यात्री के परिजनों को एक्स ग्रेशिया के रूप में डेढ़ लाख रुपए दिए गए। वहीं शव को पीएम के लिए भेजा गया।

नगर सैनिक और अटेंडेंट पर हमला कर भागे अपचारी बालक, तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के बाल संप्रेक्षण गृह से चार अपचारी बालक फरार हो गए हैं। जिले के बरोंडाबाजार स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में अपचारी बालकों ने ड्यूटी पर तैनात नगर सैनिक और अटेंडेंट को पत्थर से मारकर घायल कर दिया और गेट की चाबी लेकर चारों फरार हो गए। घायल नगर सैनिक व अटेंडेंट को रायपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस फरार अपचारी बालकों की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार फरार चारों अपाचारी बालकों में से दो चोरी के केस में, 1 रेप केस व 1 गांजा तस्करी मामले में बाल संप्रेक्षण गृह में लाए गए। इनमें से दो गरियाबंद, एक बलौदाबाजार और एक सरायपाली का निवासी है। शुक्रवार की सुबह इन अपचारियों बालकों ने पत्थर से नगर सैनिक व अटेंडेंट पर हमला किया और गेट की चाबी लेकर फरार हो गए। बाल संप्रेक्षण अधिकारी ने कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी है। पुलिस चारों अपचारी बालकों की तलाश में जुटी है।

बता दें इसके पहले भी कई बार अपाचारी बालक फरार हो चुके हैं। एसडीओपी मंजूलता बाज ने बताया कि सुरक्षा के लिए नगर सैनिक की तैनाती की जाती है। इसके अलावा पुलिस पेट्रोलिंग भी गश्त करती है। इसके बाद भी इस प्रकार की घटना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के बेहतर इंतजाम बाल संप्रेक्षण गृह में किए जाने की आवश्यकता है।

साली की शादी के नाम पर ज्वेलर्स को लगाया लाखों का चूना, जेवर खरीदकर दिया चेक हुआ बाउंस

■ **नेवई थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने दर्ज किया केस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नेवई थाना क्षेत्र में साली की शादी के नाम पर ज्वेलर्स से लाखों की ठगी का मामला सामने आया। शातिर शख्स ने ज्वेलरी शॉप में काम करने वाले अपने कथित भतीजे से परिचय बताकर 18 लाख रुपए से जयादा के जेवर खरीदे। इसके एवज में चेक पर चेक दिया लेकिन एक खाते में भी रुपए नहीं थे। ज्वेलरी संचालक लगातार अपने रुपए के लिए चक्कर लगाता तो शातिर एक चेक पकड़ा देता। लगातार चेक बाउंस होने पर ज्वेलर्स को ठगी का अहसास हुआ और उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में नेवई पुलिस ने धारा 406, 420 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल ठगी का शिकार होने वाले ज्वेलर्स का नाम हेमंत कुमार सोनी है। हेमंत सोनी दया नगर रिसाली भिलाई में रहता है और रिसाली बस्ती शिवाजी चौक में लक्ष्मी ज्वेलर्स नाम से उसकी दुकान है। उसकी दुकान में भीखम यादव उर्फगोलू लंबे समय से काम कर रहा है। भीखम का परिचित शांति नगर भिलाई निवासी विवेक शर्मा अक्सर दुकान उससे मिलने आता है। वह मंत्रालय में नौकरी करता है और भीखम को अपना भतीजा बताता है। इस बीच उसने एक दिन अपनी साली की शादी के लिए सारे जेवर उन्हीं की दुकान से खरीदने की इच्छा जताई तो हेमंत सोनी ने हामी भर दी

लाखों के जेवर खरीदकर की ठगी

इसके बाद विवेक शर्मा अपनी साली के लिए जेवर लेने 13 मई 2024 को शाम 7 बजे मेरे हेमंत शर्मा की दुकान पहुंचा। इस दौरान सोने का जेवर हाफ सेट वजन 21.510 ग्राम, झुमका वजन 10.750 ग्राम, मांगटीका वजन 3.660 ग्राम, नथ वजन 4.330 ग्राम, चुडी वजन 30.850 ग्राम कुल कीमती 566,666 रुपए की खरीदी की। इसके बाद सोने का जेवर अंगुठी वजन 4.800 ग्राम, अंगुठी वजन 4.510 ग्राम, अंगुठी वजन 4.800 ग्राम, अंगुठी वजन 3.960 ग्राम कुल राशि 144017 रुपए, सोने का 04 चैन वजन क्रमशः 11.380 ग्राम, 11.310 ग्राम, 12.110 ग्राम, 10.210 ग्राम कीमती 358,727 रुपए की खरीदी की। इसके बाद 17 मई को सोने का जेवर रानी का हार 43.770 ग्राम, लाकेट 2.920 ग्राम, मोती 0.900 मिलीग्राम, चैन 19.900 ग्राम, चुडी 27.800 कीमती 766094 रुपए, सोने का लाकेट वजन 2.850 ग्राम, पाईप 1.600 ग्राम कीमती 30778 रुपए की खरीदी की। इस तरह कुल 18,71,282 रुपए की ज्वेलरी खरीदी। इसके एवज में विवेक शर्मा ने 10 लाख रुपए चेक दिया और शेष रुपए 25 मई 2024 को देने का आश्वासन दिया। जब 10 लाख का चेक हेमंत सोनी ने बैंक में लगाया तो वह बाउंस हो गया।

जब रुपए मांगता एक चेक थमा देता था विवेक शर्मा

चेक बाउंस होने के बाद हेमंत सोनी जब भी विवेक शर्मा के पास रुपए मांगने जाता तो वह एक चेक थमा देता। 7 जून को एचडीएफसी बैंक खाता के चेक क्रमांक 000019 में 19,60,000 भर कर दिया, जिसे बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक के चेक क्रमांक 000098 राशि 18,00,000 रुपए भर कर दिया और वह भी बांउस हो गया है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक का कोरा चेक 15 जुलाई को भर कर दिया और बैक में लगाने पर वह भी बाउंस हो गया। तब जाकर हेमंत सोनी को अहसास हुआ कि विवेक शर्मा ने जेवर खरीदकर उससे ठगी की है। विवेक शर्मा ने कुल 18 लाख 71 हजार 282 रुपए के सोने का जेवर खरीदकर ठगी की। इस मामले में नेवई पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)/(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी) CIN No. U40108CT20035GC015822,
कार्यालय – अधीक्षण अभियंता (नगर) वृत्त छ.स्टे.पा.डि.कं.लि.दुर्ग Email ID – secc.durg@cspc.co.in

क्रमांक/372000/क्रय शाखा/निविदा/3331 दुर्ग, दिनांक 03.10.2024

निविदा आमंत्रण सूचना (E-Bidding)

अधीक्षण अभियंता (नगर) वृत्त छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग के अधीनस्थ **कार्यपालन अभियंता (नगर पूर्व) संभाग भिलाई के अंतर्गत भिलाई (शहर), छावनी, चरोदा, भिलाई (ग्रामीण) में** कम्प्यूटरीकृत शिकायत केन्द्रों के संचालन हेतु 03 पाली में (प्रतिपाली 01) टेलीफोन अटेंडेन्ट सह सहायक ऑपरेटर (अर्द्धकुशल श्रमिक) एवं आवश्यकतानुसार रिलीवर ऑपरेटर बाह्य स्त्रोत (ठेकेदार के माध्यम) से रखे जाने **एक वर्ष** के लिए अस्थायी अल्पकालिन अनुबंध हेतु ठेकेदारों से E-Bidding के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा क्रमांक (RFX No)	कार्य का नाम	अनुमानित निविदा मूल्य	निविदा मूल्य (वापसी योग्य नहीं)	बयाना राशि (वापसी योग्य)
01	8100039591	टेलीफोन अटेंडेन्ट सह सहायक ऑपरेटर (अर्द्धकुशल श्रमिक) एवं आवश्यकतानुसार रिलीवर ऑपरेटर बाह्य स्त्रोत (ठेकेदार के माध्यम) से रखे जाने हेतु।	28,64,328.00	5,000.00 (Inclusive GST)	28,700.00

ऑन लाईन निविदा जमा करने की तिथि व समय	23.10.2024	दोप. 12.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि व समय	23.10.2024	दोप. 12.30 बजे

नियम व शर्तें :-01.इच्छुक ठेकेदार उपरोक्त निविदा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के ऑनलाईन SAP-SRM पोर्टल के माध्यम से जमा कर सकेंगें तथा निविदा मूल्य एवं बयाना राशि SAP-SRM पोर्टल के माध्यम से Online जमा किया जाना है। **निविदा मूल्य एवं बयाना राशि (चालान) PDF Download कर Scan कर टेण्डर Document के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।** 02. SAP-SRM पोर्टल में भावपत्र भरा जावे। 03. निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में अर्हता व कार्यों के संपादन संबंधी विस्तृत जानकारी निविदा प्रपत्र में संलग्न है।04.किसी भी प्रकार की देरी या तकनीकि बाधा के बाबत् कंपनी जिम्मेदार नहीं होगा।05.निविदा उपरोक्त नियत तिथि व समय में E-Bidding के माध्यम से खोला जावेगा।06.प्रतिनिधियों को अपना अधिकृत प्रमाण पत्र On line Scan कर जमा करना आवश्यक है।07.अनुबंध/आदेश की अवधि 01 माह की नोटिस पर किसी भी समय समाप्त की जा सकती है।08.निविदा निरस्त/संशोधन करने का अधिकार कंपनी के पास सुरक्षित होगा।09. ठिकेदार को निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न प्रोफार्मा में जमा करना अनिवार्य है।

Details of NIT and Tender Documents are available on our website – For external users : https://ebiding.cspcl.co.in:50724/irj/portal helpline no. 0771-2576672 (EITC, CSPDCL). The bidder must have a valid Digital signature and Sap SRM User ID.For e-bidding training is scheduled at EITC (to help bidders for participation through e-bidding), on every working Wednesday from 3.00 PM to 5.00 PM.Java configuration changes are to be done in the exception site list. The process is – open Java by following the path control panel >Java>security Tab> Exception Site list Click on Edit site list " Add the web link " https://cisrp.cspcl.co.in:1443" in exception site list.

अधीक्षण अभियंता (नगर) वृत्त
छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमिटेड, दुर्ग

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचायें S-41669/3

बस्तर अब शांति की ओर हो रहा अग्रसर

मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बल के जवानों के साथ किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर प्रवास के दौरान विश्रामगृह में आत्मसमर्पित नक्सली एवं नक्सली हिंसा से पीड़ित युवाओं से संवाद किया। ये युवा छत्तीसगढ़ शासन के पुनर्वास नीति के तहत पुलिस विभाग में भर्ती होकर माओवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सल संगठन को छोड़कर पुनर्वास नीति से लाभान्वित होने वाले युवाओं से मिलकर खुशी जाहिर की और कहा कि बस्तर अब शांति की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विगत दिवस नक्सलियों की हिंसा के शिकार 55 से ज्यादा नक्सल पीड़ितों ने दिल्ली जाकर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले और नक्सलवाद के खिलाफअपनी आवाज बुलंद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सली हिंसा के शिकार लोगों की बातों को सुनकर बहुत ही दुख लगा कि निर्दोष लोग हिंसा के शिकार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय से संवाद के दौरान नक्सली पीड़ित नव आरक्षक सुमित्रा ने बताया कि उनके पिता की नक्सलियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। छत्तीसगढ़ शासन के पुनर्वास नीति के तहत वे आरक्षक के पद पर नियुक्त हुए है। शासन के पुनर्वास नीति नक्सल पीड़ित परिवार के लिए वरदान साबित हो रही है।

वहीं चेरकंटी निवासी मंगल मोड़ियम पूर्व में 19 वर्षों तक नक्सल संगठन में शामिल था। माओवादियों के खोखली विचारधारा को छोड़कर आत्मसमर्पण किया, जिन्हें पुनर्वास नीति के तहत पुलिस विभाग में नियुक्ति मिली। मंगल मोड़ियम ने बताया कि बस्तर, बीजापुर में शांति स्थापित होना जरूरी है। भोले-भाले आदिवासियों का नक्सलियों द्वारा जल, जंगल, जमीन के नाम पर गुमराह किया जाता है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह बस्तर आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार उपस्थित थे।

नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिलने पर मुख्यमंत्री ने दी पुलिस जवानों को बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवानों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने पर पुलिसबल के जवानों को मिली सफलता के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जवानों को मिली यह बड़ी कामयाबी सराहनीय है। उनके हौसले और अदम्य साहस को मैं नमन करता हूं। नक्सलवाद के खात्मे के लिए शुरू हुई हमारी लड़ाई अब अपने अंजाम तक पहुंचकर ही दम लेगी, इसके लिए हमारी डबल इंजन की सरकार दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है। नक्सलवाद के खात्मे तक हमारी यह लड़ाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नारायणपुर-दंतेवाड़ा की सीमा में स्थित अबूझमाड़ क्षेत्र में हमारे सुरक्षा बलों के जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है, सर्चिंग में अभी तक 28 नक्सलियों के मारे जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। सर्चिंग में एके-47 सहित कई हथियार मिले हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मैं समझता हूं कि छत्तीसगढ़ में यह अब तक का सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन हुआ है। इसके लिए मैं अपने जवानों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं और उनके साहस को मैं नमन करता हूं ।

उन्होंने कहा कि हम पहले से ही माओवादियों को कहते आए हैं कि वे हिंसा का रास्ता छोड़ दें और विकास की मुख्य धारा से जुड़ें। अब हम लोग डबल इंजन सरकार के कारण मजबूती से नक्सलियों से लड़ रहे हैं। माओवाद अपनी अंतिम सांस गिन रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज मैं बीजापुर के दौर पर था, जहां नक्सल हिंसा पीड़ित लोगों से मुलाकात की। आज इस घटना के बाद शायद उनका विश्वास और अधिक बढ़ गया होगा। निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ में माओवाद समाप्ति की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह विगत 9 महीने में नक्सलवाद की समीक्षा हेतु दो बार छत्तीसगढ़ आ चुके हैं और उनका संकल्प है कि मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाए। उनकी सोच के अनुरूप हमारे जवान छत्तीसगढ़ में भी माओवादियों से मुकाबला कर रहे हैं।

नक्सल हिंसा प्रभावित 70 लोगों को मिली सरकारी नौकरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर के जिला अस्पताल को सौ बिस्तर से बढ़ाकर दो सौ बिस्तर करने की घोषणा के साथ ही अंचल के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत नक्सल पीड़ित परिवार के 70 आश्रितों को शासकीय नियुक्ति आदेश पत्र भी सौंपा और 19 हजार से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहकों को 14 करोड़ 9 लाख रूपए की बोनस राशि भी वितरित की।

मुख्यमंत्री श्री साय बीजापुर जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत नक्सल पीड़ित परिवार के आश्रितों को शासकीय नियुक्ति आदेश और तेंदूपत्ता बोनस वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने 263 करोड़ 66 लाख से अधिक की लागत से 209 के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 228 करोड़ 53 लाख के 145 विकास कार्यों का भूमि पूजन और 35 करोड़ 13 लाख के 64 विकास कार्य का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में बीजापुर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना, भोपालपटनम में 132 केव्ही की विद्युत सब स्टेशन की स्थापना, 33 नए स्कूल खोलने, केंद्रीय पुस्तकालय और विशेषज्ञ चिकित्सकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जोड़ने की घोषणा की। साथ ही प्रयास आवासीय विद्यालय और प्रतियोगिता परीक्षा के लिए कोचिंग की व्यवस्था करने के लिए कलेक्टर को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में कहा कि बस्तर क्षेत्र में विकास कार्य को गति दी जा रही है। नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से माओवाद-आतंक से प्रभावित क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, खनिज, वन संपदा से परिपूर्ण है, साथ ही यहाँ के निवासी भी ऊर्जावान है। प्रदेश के विकास में यहां के लोग महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, वनमंत्री और बीजापुर प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, लोकसभा क्षेत्र बस्तर के सांसद महेश कश्यप ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत गृह प्रवेश (चाबी वितरण) और आवास स्वीकृति पत्र, तेंदूपत्ता बोनस, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत राशि, किसान क्रेडिट कार्ड, सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त नियद नेल्लानार हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, स्व सहायता समूह चक्रीय निधि, आय, जाति-निवास प्रमाण पत्र और युवाओं को खेल सामग्री का वितरण किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर वन अधिकार प्रमाण पत्र, विश्वकर्मा योजना का प्रमाण पत्र, ई रिक्शा का वितरण सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों का सामग्री वितरण किया। कार्यक्रम में बस्तर के कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव, सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, गणमान्य जनप्रतिनिधि, नागरिकगण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950